डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -118 | प्रयागराज ,शनिवार,15,जुलाई, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

स्टालिन ने विधि आयोग को पत्र लिखकर यू सीसी पर दर्ज कराया कड़ा विरोध

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को विधि आयोग के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर समान नागरिक संहिता को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया उन्होंने कहा कि मैं

बहुसांस्कृतिक तानेबाने के लिए पहचान पाने वाले देश में यूसीसी के क्रियान्वयन के विचार पर राज्य सरकार के कड़े विरोध को व्यक्त करने के लिए पत्र लिख रहा हूं। हालांकि, मैं कुछ सुधारों की जरूरत समझता हू, लेकिन मेरा मानना है कि यूसीसी से हमारे समाज के विविधतापूर्ण सामाजिक ढांचे के सामने गंभीर खतरा और चुनौतियां हैं। क्या कुछ बोले स्टालिन स्टालिन ने कहा कि देश धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र होने पर गर्व करता है, जो संविधान के अनुच्छेद 29 के माध्यम से अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सम्मान और सुरक्षा करता है। संविधान की छठी अनुसूची में भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य के आदिवासी क्षेत्र जिला और क्षेत्रीय परिषदों के माध्यम से अपनी परंपराओं को संरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि यूसीसी ऐसे जनजातीय समुदायों को असंगत रूप से प्रभावित करने और उनकी पारंपरिक प्रथाओं, रीति-रिवाजों और पहचानों को संरक्षित करने के उनके अधिकार को कमजोर करने की क्षमता है।उन्होंने कहा कि हमारे समाज में मौजूद सामाजिक-आर्थिक असमानताओं पर विचार किए बिना एक समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

पीएम मोदी को मिला फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान, पहले भारतीय बनकर रचा इतिहास

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीएम नरेंद्र मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह सैन्य या नागरिक आदेशों में सर्वोच्च फ्रांसीसी सम्मान है। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अद्वितीय सम्मान के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा, ठभारत-फ्रांस साझेदारी की भावना का प्रतीक एक गर्मजोशी भरा कदम। पीएम नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।ठ पीएम मोदी से पहले दुनिया के कई नेताओं को इस सम्मान से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी से पूर्व दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, वेल्स के तत्कालीन राजकुमार किंग चार्ल्स, जर्मनी के पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल को भी यह सम्मान मिल चुका है। फ्रांस द्वारा दिया गया यह सम्मान पीएम मोदी को विभिन्न देशों द्वारा दिए गए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों की श्रृंखला में एक और सम्मान है। इनमें जून 2023 में मिस्र द्वारा ऑर्डर ऑफ द

नाइल, मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार शामिल हैं। 2021 में भूटान द्वारा ड्रुक ग्यालपो, 2020 में अमेरिकी सरकार द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, 2019 में मालदीव द्वारा ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन, 2019 में रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू पुरस्कार। 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद अवॉर्ड, 2018 में ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन अवॉर्ड, 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान और 2016 में सउदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ अब्दुलअजीज अल सऊद।इससे पहले गुरुवार को, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पेरिस में अपने आधिकारिक निवास एलिसी पैलेस में एक निजी रात्रिभोज के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की मेजबानी की। पीएम मोदी का स्वागत फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों ने किया।बता दें दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गुरुवार को पेरिस पहुंचे प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने उनका स्वागत किया।

मानसून सत्र में दिल्ली से संबंधित अध्यादेश, डिजिटल डाटा संरक्षण पर विधेयक पेश करेगी सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में सरकार दिल्ली में सेवाओं से संबंधित अध्यादेश की जगह लेने वाला विधेयक, वन संरक्षण कानूनों

में संशोधन विधेयक और डिजिटल डाटा संरक्षण पर विधेयक पेश करेगी। केंद्र सरकार ने मानसून सत्र के लिए गुरुवार को 21 नए विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। इनमें फिल्म पायरेसी रोकने, सेंसर प्रमाणन की आयु आधारित वर्गीकरण और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन स्थापित करने से संबंधित विधेयक शामिल हैं। सत्र के दौरान जन विश्वास (प्रविधानों में संशोधन) विधेयक और बहु-राज्य सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक सहित अन्य विधेयक भी पेश किए जाएंगे। सात पुराने विधेयकों को भी सूचीबद्ध किया गया है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। जम्मू-कश्मीर के लिए अनुसूचित जनजातियों की सूची में बदलाव से संबंधित विधेयक भी पेश किया जाएगा। राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन विधेयक, 2023, एसईआरबी (विज्ञान और इंजीनियरग अनुसंधान बोर्ड) अधिनियम, 2008 को निरस्त करने के अलावा, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना का प्रविधान करता है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023 पंजीकरण प्रक्रिया को लोगों के अनुकूल बनाने और पंजीकृत जन्म और मृत्यु के डाटाबेस का उपयोग करके राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अन्य डाटाबेस को अपडेट करने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग और राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी आयोग (एनएनएमसी) की स्थापना के लिए भी विधेयक पेश किया जाएगा। एक विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना करना है।एएनआइ के अनुसार राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र से पहले 18 जुलाई को उच्च सदन के नेताओं की बैठक बुलाई है। यह बैठक 6 मौलाना आजाद रोड पर होगी।

राज्य के हालात पर केंद्र सरकार की नजर, अमित शाह को ग्राउंड रिपोर्ट देंगे अनुराग ठाकुर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे हिमाचल प्रदेश पर केंद्र सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। इस बीच केंद्रीय सूचना एवं

प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर न सिर्फ अपने गृह प्रदेश की त्वरित मदद के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया, बल्कि वह तीन दिन के हिमाचल प्रदेश के दौरे पर भी रवाना हो गए, ताकि लौटकर आपदा व राहत-बचाव कार्य संबंधी ग्राउंड रिपोर्ट गृह मंत्री को सौंप सकें। गौरतलब है कि बाढ़ की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी हिमाचल के मुख्यमंत्री से बात की थी। अनुराग सिंह ठाकुर ने गुरुवार को दिल्ली में अमित शाह से भेंट कर बताया कि प्राकृतिक अपादा की मार झेल रहे हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है। अब तक लगभग 88 लोगों की मौत हो चुकी है। कई सड़कें व पुल ध्वस्त हो गए हैं। लोगों की व्यक्तिगत, निजी संपत्तियों जैसे घर और दुकानों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। इन सभी से उबरने में काफी समय लगेगा। उन्होंने हिमाचल के हालात पर गृह मंत्री से चर्चा की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस तरह बिना समय गंवाए एनडीआरएफ की 12 टीमों को वहां राहत व बचाव कार्यों के लिए गृहमंत्री ने लगाया है, वह देवभूमि के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दिखाता है।जहां तक वित्तीय मदद की बात है तो केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को 180.40 करोड़ रुपये की पहली किश्त भी जारी कर दी है, जिसका लाभ राहत-बचाव व पुनर्वास कार्यों को मिलेगा। अमित शाह ने भविष्य में भी हरसंभव मदद के लिए आश्वस्त किया है।

मणिपुर में म्यांमार नागरिक सहित तीन आतंकियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मणिपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के सदस्यों द्वारा जबरन वसूली से संबंधित मामले में म्यांमार के नागरिक सहित तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल की है। एनआइए के प्रवक्ता ने बताया कि म्यांमार नागरिक दीपक शर्मा, सूरज जैसवाल और शेखोम ब्रूस मैती के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल की गई है। इन्हें विभिन्न आतंकी संगठनों के लिए पैसा एकत्रित करने के लिए पकड़ा गया था। तीनों पर गैरकानूनी (गतिविधियां) रोकथाम अधिनियम और आइपीसी के तहत आरोप लगाए गए हैं। वहीं शर्मा पर विदेशी अधिनियम के तहत

अतिरिक्त आरोप लगाए गए हैं। अब तक की जांच से पता चला है कि पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी, कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट जैसे प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य अपने संगठनों के लिए धन जुटाने को इंफाल और घाटी के इलाकों में लोगों को जबरन वसूली के लिए फोन कर रहे थे। आतंकी संगठनों के सदस्य पीडितों को अपने सहयोगी का बैंक खाता बताते थे और उसमें पैसा जमा करने के निर्देश देते थे। एनआइए ने गत वर्ष नौ मार्च को स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था।

विदेश मंत्रालय ने मणिपुर पर ईयू संसद का प्रस्ताव ठुकराया, एफ टी ए वार्ता पर हो सकता है असर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की संसद में मणिपुर में हिंसा को लेकर जारी प्रस्ताव को भारत ने अपने आंतरिक मामले में सीधा हस्तक्षेप बताया है और कहा कि यह औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। ब्रुसेल्स स्थित यूरोपीय संसद ने मणिपुर के घटनाक्रम पर चर्चा करते हुए भारतीय प्रशासन से कहा कि सभी जरूरी कदम उठाकर मणिपुर में हिंसा को तत्काल रुकवाएं और सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करें। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से गुरुवार देर रात को जारी बयान भारतीय प्रतिक्रिया की शुरुआत हो सकती है। यूरोपीय संसद ने जिस तरह से भारत की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए मणिपुर हिंसा पर बेहद कड़े शब्दों वाला प्रस्ताव पारित किया है उसका असर दोनो देशों के रिश्तों पर भी फिलहाल दिख सकता है। जानकारों का मानना है कि भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता पर भी इसका असर संभव है मई, 2023 में ही दोनों ने फैसला किया था कि व्यापार समझौते को लेकर बातचीत की

रफ्तार बढ़ाई जाएगी लेकिन यूरोपीय संसद के इस अप्रत्याशित कदम के बाद ऐसा संभव नहीं दिख रहा। भारतीय प्रशासन हर स्तर पर, न्यायपालिका तक मणिपुर की स्थिति का संज्ञान ले रही है और वहां कानून-व्यवस्था बनाने व शांति बहाली के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। हम यूरोपीय संसद को सलाह देंगे कि वह अपना समय अपने आंतरिक मुद्दों को सुलझाने में इस्तेमाल करे। 'जानकारों के मुताबिक जिस भाषा का इस्तेमाल यूरोपीय संसद ने किया है, उसको भारत ने काफी गंभीरता से लिया है। इसमें भारत पर आरोप लगाया गया है कि वह अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में असफल है। इसमें कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने की वजह से इस तरह के हिंसक हमले हो रहे हैं और राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा किया जा रहा है भारत से कहा गया है कि वह इस पूरी घटना का स्वतंत्र एजेंसियों से जांच करवाये। प्रस्ताव के अंत में कहा गया है कि यूरोपीय संघ का संसद यह अपील करता है कि कारोबार समेत भारत-ईयू साझेदारी के हर हिस्से में मानवाधिकार को जोड़ा जाए। भारत-ईयू मानवाधिकार वार्ता को भी फिर से शुरु करने की अपील की गई है।

फीस वापसी पर उच्च शिक्षण संस्थानों की नहीं चलेगी मनमर्जी, दाखिला निरस्त कराने पर लौटने होंगे पूरे पैसे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फीस वापसी पर उच्च शिक्षण संस्थानों की मनमर्जी अब नहीं चलेगी। सभी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की गाइडलाइन को ही मानना होगा। 30 सितंबर तक दाखिला निरस्त

कराने पर संस्थानों को पूरी फीस लौटानी होगी। यदि कोई छात्र इस अवधि के बाद यानी 31 अक्टूबर 2023 तक दाखिला निरस्त कराता है तो अधिकतम एक हजार रुपए काटकर संस्थान को फीस वापस करनी होगी। इस अवधि के बाद ही फीस वापसी से जुड़े कोई भी दूसरे नियम-कायदे प्रभावी होंगे। यूजीसी को जब कई संस्थानों की ओर से फीस वापसी को लेकर अपना अलग शेड्यूल जारी करने की जानकारी मिली तो उसने हाल ही में जारी अपनी गाइडलाइन का हवाला देकर कहा कि फीस वापसी पर सिर्फ उसकी ओर से जारी गाइडलाइन ही मान्य होगी। फीस वापसी को लेकर संस्थानों के रवैये को देखते हुए यूजीसी पहले से ही काफी सख्त है। यूजीसी की फीस वापसी से जुड़ी गाइडलाइन छात्रों के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि ज्यादातर छात्र दाखिले की दौड़ में शुरू में कई जगहों पर फीस जमाकर दाखिला ले लेते हैं। बाद में जैसे ही उन्हें कोई और बेहतर विकल्प काउंसलिंग के स्पाट राउंड तक मिलता है, तो वह वहां दाखिले ले लेते हैं। ऐसे में उनकी फीस फंस जाती है। जिसके चलते छात्रों और अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ता रहा है।

2014 के पहले शहरी विकास की हुई आपराधिक अनदेखी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देश के शहरों को मौजूदा और भावी चुनौतियों के लिहाज से तैयार करने के लिए उनमें नियोजन पर अधिक ध्यान

देने और सुधारों को आगे बढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मोदी सरकार से पहले शहरी विकास के प्रति आपराधिक अनदेखी की गई। पुरी ने गुरुवार को शहरी नियोजन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अनदेखी किस हद तक की गई, इसका प्रमाण यह है कि 2004 से 2014 तक संप्रग सरकार के समय केवल 1.78 लाख करोड़ रुपये ही शहरी विकास के नाम पर खर्च किए गए। यह इसी अनदेखी का नतीजा है कि भारत को अनिच्छुक शहरीकरण वाले देश के रूप में देखा जाता रहा। पुरी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी इच्छाशक्ति और दूरदर्शी नीतियों से इस परिस्थिति को बदला है। इसका ही परिणाम है कि आज शहरों को चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखा जा रहा है। देश में दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में जिस तरह शहरीकरण की रफ्तार तेज है, उसे देखते हुए शहरी नियोजन का विषय बहुत अहम हो गया है। देश के शहर आर्थिक विकास का सबसे अहम उपकरण बनने वाले हैं। हरदीप पुरी ने कहा कि भारतीय शहरों का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है और यह आंकड़ा 2030 तक 70 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा।

'साइबर क्राइम और डार्क नेट से रहना होगा सतर्क' जी 20 बैठक में अमित शाह बोले- इंटरनेट के जरिए पनप रहा आतंकवाद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने वैश्विक सुरक्षा के लिए साइबर सुरक्षा को अहम बताया है। जी-20 के तहत पहली बार साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर गुरुग्राम

में हो रहे सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने इसे वक्त की जरूरत बताते हुए कहा कि असुरक्षित साइबर स्पेस राष्ट्र-राज्य की प्रासंगिकता और संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। साथ ही उन्होंने फेक न्यूज, टूलकिट और दुष्प्रचार के कैंपेन के रोकने के लिए साझा रणनीति बनाने पर जोर दिया। अमित शाह के अनुसार अभी तक जी20 सम्मेलनों में आर्थिक दृष्टिकोण से डिजिटल परिवर्तन और डाटा के आदान-प्रदान पर ध्यान दिया जाता था। लेकिन डिजिटल परिवर्तन के इस दौर में इसके अपराधिक और सुरक्षा के पहलू को समझना और इसका समाधान निकालना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में हो रही जी20 की बैठक में पहली बार साइबर सुरक्षा के लिए नई और अनूठी पहल हुई है। पिछले 10 सालों में भारत के एक डिजिटल राष्ट्र के रूप में परिवर्तन को रेखांकित करते हुए शाह ने बताया कि किस तरह से भारत साइबर सुरक्षा के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि साइबर हमलों से सुरक्षा किसी एक देश के बूते की बात नहीं है और इसके लिए पूरी दुनिया को साझा प्रयास करना होगा। उन्होंने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें 2019 से 2013 के बीच साइबर हमलों से दुनिया को लगभग 5.2 ट्रिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका जताई गई है। उन्होंने फेक न्यूज, टूलकिट और दुष्प्रचार कैंपेन को रोकने और डायनामाइट से मेटावर्स और हवाला से क्रिप्टो करेंसी में बदल गई पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए साझा रणनीति बनाने पर बल दिया। साइबर सुरक्षा को जरूरी बताते हुए अमित शाह ने यह भी साफ कर दिया कि हमें बीच का रास्ता अपनाना होगा। उनके अनुसार हम न तो अत्यधिक आजादी देकर राष्ट्र को संकट में डालने का खतरा उठा सकते हैं और न ही डिजिटल फायरवाल जैसे माध्यमों का इस्तेमाल कर खुद अलग-थलग रख सकते हैं। शाह ने प्रतिनिधियों से सम्मेलन के दौरान डिजिटल अपराधों को काउंटर करने के लिए सभी देशों के कानूनों में एकरूपता लाने और साइबर अपराधों के सीमा रहित प्रकृति को देखते हुए देशों के अलग-अलग कानूनों के अनुरूप कार्रवाई करने की व्यवस्था खड़ी करने के साथ ही साइबर सुरक्षा के मानक तैयार करने, एक दूसरे के बेतरीन क्रियाकलापों को अपनाने और नियमन में तालमेल बनाने के लिए विश्विक सहयोग बढ़ाने पर विचार करने को कहा। अमित शाह ने डार्कनेट और मेटावर्स को युवाओं में कट्टरता फैलाने से लेकर आतंकी फंडिंग और ट्रेनिंग के लिए हो इस्तेमाल को लेकर भी सचेत किया। उन्होंने कहा कि डार्कनेट पर चलने वाली इन गतिविधियों के पैटर्न को समझना होगा और उससे निपटने के उपाय भी ढूंढने होंगे।

क्षत्रिय सोनार युवक समिति एवं महिला समाज 909 दरियाबाद कल्याणी देवी प्रयागराज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आज धर्मशाला प्रांगण में स्वर्णकार शिरोमणि माननीय

विधायक विनय वर्मा जीङ (शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर) उत्तर प्रदेश का आगमन हुआ, समिति के अध्यक्ष जी ने अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण करके तथा कोषाध्यक्ष शिवम सोनी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत सम्मान किया। माननीय विधायक जी ने धर्मशाला प्रांगण में राम दरबार का दर्शन कर आशीर्वाद लिया तत्पश्चात अध्यक्ष गुलाब वर्मा जी ने स्वर्णकार समाज से जुड़े हुए कई मुद्दे पर चर्चा किया । महामंत्री इंद्रेश नाथ वर्मा, वरिष्ठ संरक्षक अशोक कुमार वर्मा, संरक्षक राजनाथ वर्मा, राजकुमार सोनी, दीनानाथ वर्मा, उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष अजीत सोनी, कामतानाथ वर्मा, हरीश वर्मा, पप्पू जी वर्मा, मनोज सोनी, अशोक बाबू, रतन वर्मा डेविड, अशोक वर्मा, अमित,व अन्य लोग मौजूद रहे।

गंगा यमुना के जलस्तर में बढ़ोत्तरी जारी, 103 बाढ़ केंद्र बनाने के निर्देश जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद प्रयागराज में गंगा-यमुना के जलस्तर में

बढ़ोतरी हो रही है। फिलहाल दोनो नदियां खतरे के निशान से नीचे है। फाफामऊ में गंगा नदी का जलस्तर एक दिन में 12 सेंटीमीटर बढ़कर 77.85 मीटर हो गया है। छतनाग में 13 सेंटीमीटर बढ़कर 74.41 मीटर हो गया है। नैनी में यमुना का जलस्तर 20 सेंटीमीटर बढ़कर 74.88 मीटर तक पहुँच गया है। ज़िलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बताया, ठजलस्तर हर घंटे 2-3 सेंटीमीटर बढ़ रहा है। हम 103 बाढ़ केंद्र बना रहे हैं। हमारे पास पीएसी की दो बटालियन, जल पुलिस, एस.डी.आर.एफ़ की टीम हैं। हमारे पास 1500 से अधिक नाव और 45 से अधिक मोटरबोट हैं। हमने राशन आदि की व्यवस्था की है। फ़िलहाल गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से 6 मीटर नीचे है।

फिल्म अजमेर 92 में लीड रोल में नजर आएंगी झाँसी की उन्नति पाण्डे

(आधुनिक समाचार सेवा)

झाँसी। आजादी की प्रथम दीपशिखा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की नगरी के प्रतिष्ठित परिवार से निकली बेटी जल्द ही रुपहले पर्दे पर अपने हुनर का जलवा बिखेरती नजर आएगी। कलम, कला और कृपाण की धरा की इस बेटी उन्नति पाण्डेय ने बड़े पर्दे की चर्चित फ़िल्म 'अजमेर 92' से फ़िल्म जगत में डेब्यू किया है। झाँसी की बेटी उन्नति पुष्पेंद्र सिंह के डायरेक्शन में बनी फिल्म में पैरेलल लीड रोल में नजर आएंगी। यूएनके प्रोडक्शन तथा रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म अजमेर 92 आगामी 21 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। जिसका ट्रेलर आज रिलीज हुआ। ट्रेलर के रिलीज होते ही वीडियो ट्रेंड होने लगा। समाज की कुरुतियों को दर्शाती इस फिल्म में झांसी की उन्नति का रोल अहम है। आपको बताते चलें कि उन्नति महानगर के कोतवाली के पास निवासी प्रतिष्ठित पांडे परिवार की बेटी हैं। समाजसेवी व हिंदूवादी नेता दिलीप पांडे की बेटी उन्नति को बड़े पर्दे पर मौका मिलने से पाण्डेय परिवार सहित पूरे शहर

को खुशी मिली है। दिलीप पाण्डेय ने कहा बुंदेलखण्ड में कला के क्षेत्र में अपार सम्भावनायें हैं, यहाँ से कई कलाकार अपना हुनर दिखाकर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित और प्रतिष्ठित हो चुके हैं उन्होंने बताया कि उनकी बेटी उन्नति को शुरू से ही ऐक्टिंग का शौक था वह काफी समय से प्रयास भी कर रही थी आज उसको मौका मिला है जिस हेतु मैं अजमेर 92 की पूरी टीम को धन्यवाद देता हूँ। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह 21 जुलाई से सिनेमाघरों में आने वाली फिल्म अजमेर 92 को जरूर देखने जायें और झाँसी की बेटी का मनोबल बढ़ायें।

एसडीओ और जेई को लोगों दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, दोनों ने भागकर बचाई जान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के जयंतीपुर सुलेमसराय मुहल्ले में गुरुवार दोपहर बिजली विभाग की टीम पर हमला किया गया। कानपुर रोड उपखंड के एसडीओ धर्मेंद्र मौर्य व अवर अभियंता बृजेश यादव को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। मोबाइल तोड़ दिया गया। घटना उस समय हुई जब दोनों अधिकारी कर्मचारियों के साथ बकायेदारों और कटियामारी करने वालों के खिलाफ जांच अभियान चला रहे थे। हमला होते ही एसडीओ और जेई को छोड़कर कर्मचारी भाग निकले। मौके पर पहुंची धूमनगंज पुलिस ने दोनों को किसीप्रकार बचाया। भीड़ के बीच से निकालकर दोनों को थाने लाया गया। भीड़ भी पीछे-पीछे थाने आ गई कुछ ही देर में खबर पाकर अधिशासी अभियंता बमरौली मनोज गुप्ता समेत विभाग के कई अधिकारी थाने पहुंचे। खोलें एसडीओ धर्मेंद्र मौर्य व अवर अभियंता बृजेश यादव ने जयंतीपुर सुलेमसराय के रहने वाले जालंधर पटेल समेत 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि दो घरों में करीब 90-90 हजार रुपये का बकाया है। बकाया जमा करने की बात वह उपभोक्ताओं से कह रहे थे, उसी समय जालंधर पटेल पहुंचा और भीड़ जुटाकर उन पर हमला कर दिया। बंधक बनाकर जिंदा जलाने की बात कही गई।

ईविवि के आक्रोशित छात्रों ने निकाला कैंडल मार्च, अशुतोष दुबे के परिवार को मुआवजा मिलने की रखी मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अड़ियल रवैये के खिलाफ गुरुवार को छात्र नेताओं ने सभी छात्र संगठनों की सर्वदलीय बैठक की। बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन के अड़ियल रवैये की निंदा की गई। आंदोलन को लीड कर रहे छात्र नेता अजय यादव सम्राट का कहना है कि जब तक छात्र आशुतोष दुबे के परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा नहीं दिया जाएगा और चीफ प्रॉक्टर व डीएसडब्ल्यू की गिरफ्तारी नहीं होगी प्रोटेस्ट चलता रहेगा। आर या पार की लड़ाई होगी। मैं 1090 दिन से धरना-प्रदर्शन कर रहा हूं। मैंने आज तक कोई हिंसा नहीं की। मुझे गलत फंसाया जा रहा है। विश्वविद्यालय चाहता है कि साजिश के तहत महिलाओं को आगे करके आंदोलन की धार कुंद कर दी जाए और छात्र नेता अजय यादव सम्राट को जेल में डाल दिया जाए। महिलाओं ने छात्रों के साथ मारपीट की है और अभद्रता की है। यह विश्वविद्यालय प्रशासन की साजिश है। छात्र नेता अजय यादव सम्राट ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन रवैए के खिलाफ और छात्र आशुतोष दुबे की आत्मा की शांति के लिए छात्र संघ भवन से शाम 6 बजे एक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। यह कैंडल मार्च इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कैंपस के अंदर होता हुआ छात्र संघ भवन में अमर शहीद लाल पद्मधर की प्रतिमा के पास खत्म होगा। कैंडल मार्च छात्र आशुतोष दुबे की आत्मा की शांति के लिए तो होगा ही साथ में यह संदेश भी देना कि हम अन्याय के खिलाफ झुकेंगे नहीं और आशुतोष के परिजनों को न्याय दिला करके ही दम लेंगे।

12 ग्राम हीरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई से एक महिला हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया गया पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार सुबह 07.40 बजे डाला चढ़ाई स्वामी विवेकानन्द कान्वेन्ट स्कूल मोड़ के पास से बुधनी देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 रामदुलारे गुप्ता निवासी डाला चढ़ाई अभियुक्ता को 12 ग्राम अनुमानित कीमत 120,000 हजार रूपये (एक लाख बीस हजार रुपए) नाजायज हेरोईन के साथ गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना चोपन सोनभद्र पर पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेजा गया वहीं अभियुक्ता का आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0सं0 301/2016 धारा 8/21 थाना चोपन सोनभद्र 2. मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 थाना चोपन सोनभद्र में बताया गया इस दौरान टीम चोपन थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ,डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह मु0 आरक्षी शिवसरन राम, महिला आरक्षी जोहरा बेगम शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा की बड़ी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश कुमार मौर्य निलंबित गौहनिया चौकी प्रभारी ताराचंद भी निलंबित घूरपुर थाने के कई दरोगा सिपाही भी निलंबित घूरपुर थाने में हुई सर्जरी से विभाग में हड़कंप। पशु क्रूरता के मामले में लापरवाही बरतने के कारण थानाध्यक्ष सहित दो उप निरीक्षक, पांच आरक्षी और एक कांस्टेबल को भेजा गया लाइन प्रयागराज थाना घूरपुर के थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मौर्य, उ0नि0 ताराचंद्र (चौकी प्रभारी गौहनिया), उ0नि0 हर नारायण सिंह, आरक्षी अमित यादव, आरक्षी राकेश यादव, आरक्षी समीर सिंह, आरक्षी विमल रावत, कांस्टेबल राकेश पाल तथा आरक्षी चालक वशिष्ठ यादव को लाइन हाजिर किया गया है तथा गहन जाँच के आदेश दिये गये है। पुलिस तबादला एक्सप्रेस उ0नि0 जनार्दन प्रसाद साहनी को यातायात पुलिस लाइन से प्रभारी जल पुलिस स्थानान्तरित किया गया है। उ0नि0 संजीव कुमार चौबे को थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र से थानाध्यक्ष घूरपुर स्थानान्तरित किया गया है। उ0नि0 सुभाष कुमार सिंह को प्रभारी चौकी टी0पी0 नगर, थाना धूमनगंज से थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र स्थानान्तरित किया गया है।

गौ क्रूरता मामले में घूरपुर थानाध्यक्ष समेत 9 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने गुरुवार की रात बड़ी विभागीय कार्रवाई की। पशु क्रूरता के मामले में महीने भर से चल रही घूरपुर पुलिस के खिलाफ जांच की रिपोर्ट मिलने के बाद थानाध्यक्ष समेत 9 पुलिसकर्मियों को थाने से हटा पुलिस लाइन अटैच कर दिया गया है। घूरपुर थाने अंतर्गत जसरा में ट्रक 6 जून को गो वंशजों को लादकर लादकर जा रहा था। बीच रास्ते में गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गयी। लोगों को कहना था कि इस घटना में पुलिस ने मृत गो वंशजों को दफ़ना दिया था, लेकिन घायलों को वहीं छोड़ दिया था। ट्रक को भी छोड़ दिया गया था। किसी प्रकार की कोई लिखा पढ़ी नहीं की गई थी। इसकी शिकायत हुई थी। जिसकी डीसीपी स्तर पर जांच कराई जा रही थी। मामला सही पाए जाने पर लगभग पूरे थाने को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

केन्द्र प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह विवाद/मतभेद को समाप्त कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

चित्रकूट। चित्रकूट परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी निरीक्षक रिता सिंह एवं पुलिस टीम द्वारा परिवारिक विवाद/मतभेद को समाप्त कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया । दम्पत्ति जोड़ा आपसी मतभेद/विवाद को भूल खुशी-खुशी रहने को हुए तैयार ।

हॉटमॉन्ड मिसेज इंडियावर्ल्डवाइड 2023 सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले हाल ही में दुबई में हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिसमे 150 प्रतिभागियों ने दुनिया भर से भाग लिया। नेहा कौशल प्रयागराज की रहने वाली और कतर में सेटल

है...इस कॉन्टेस्ट में फाइनलिस्ट बनी नेहा कौशल ने उपशीर्षक का खिताब जीता है..उनसे बातों में उन्हें बताया बचपन से ही काला छेत्र में उनका रूझान रहा है, ग्लैमर इंडस्ट्री में अपना नाम बनाना चाहती है. कई साल एचआर में सफल काम करने के बाद उन्हें फैशन ब्लॉगिंग भी करना पसंद है, फिलहाल इन्होने एचआर करियर से ब्रेक लिया है... और वो गृहिणियों को ये संदेश देना चाहती है कि जीवन में कुछ न कुछ अपने लिए भी करिए.. उम्र से कुछ फर्क नहीं पड़ता बस आपकी सोच आगे बढ़ने की होनी चाहिए ताकि आपका मान और आर्थिक रूप से मजबूत हो सके, अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार को देती और विशेष रूप से अपने पति को देती है, और उन्हें पूरा विश्वास है कि एक दिन जरूर उनका सपना पूरा होगा क्योंकि अभी तो ये शुरुआत है, अभी बहुत आगे बहुत बड़ा आसमान है।

आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -

- पूर्णत: वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710

SATYAM # 9305124298

मौसम विभाग ने यूपी में अगले कुछ दिनों तक भारी से लेकर बहुत भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर , अलीगढ़, मथुरा, हाथरस , कासगंज, एटा, आगरा, संभावनाः श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बरेली, पीलीभीत। भारी वर्षा की संभावना देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, वुशीनगर,

वुशीनगर, महाराजगंज, सद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, मैनपुरी, इटावा, औरैया, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर। भारी से बहुत भारी वर्षा की महाराजगंज, सिद्धार्थनगर , गोंडा, बलरामपुर, हरिोई,फर्रुखाबाद , कन्नौज, बाराबंकी, अयोध्या, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद , रामपुर, शाहजहांपुर, संभल।

प्रयागराज से काशी तक गेरुआ रंग में रंगी हाईवे बोल बम के नारों से गूंजा क्षेत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कांटा न कंकड़, प्रयागराज से काशी तक हाईवे पर दिख रहे बस शंकर ही शंकर वाराणसी हाईवे शुक्रवार को भी बोल बम के जयकारों से गूंज उठा।

शास्त्री पुल के दारागंज से लेकर झूसी अंदावा तक हाईवे की एक लेन पर कांवड़िये ही नजर आए। यह स्थित प्रयागराज से काशी तक देखी जा रही है। दोपहर बाद अचानक कांवड़ियों की भारी भीड़ हाईवे पर उमड़ी तो जाम जैसे हालात बन गए। हालांकि जगह-जगह तैनात किए गए पुलिसकर्मियों की सजगता से यातायात सामान्य रहा। काशी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम को जल चढ़ाने के लिए जाने वाले कांवड़ियों का ट्रेनों पर भी कब्जा रहा। इससे सफर करने वाले रेल यात्री पूरी तरह बेहाल रहे। सावन के महीने में दारागंज घाट से जल लेकर कांवड़िये काशी विश्वानाथ मंदिर वाराणसी जल चढ़ाने को जाते हैं। शुक्रवार का एकादशी पड़ रही है। इस दिन बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने का विशेष महत्व है। एकादशी से ठीक एक दिन पहले बृहस्पतिवार को प्रयागराज वाराणसी हाईवे पर कांवड़ियों का रेला उमड़ पड़ा। दारागंज गंगा घाट से लेकर झूसी तक कांवड़िये ही कांवड़िये नजर आए।

झाड़-फूंक के नाम पर किशोरी से मौसा ने किया दुष्कर्म

(आधुनिक समाचार सेवा)

चंदौली। जिले के एक गांव में इलाज के नाम पर झाड़-फूंक करने वाले एक व्यक्ति ने किशोरी से दुष्कर्म किया। आरोपी व्यक्ति किशोरी को रिश्ते में मौसा लगता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यूपी के चंदौली जिले में इलाज के नाम पर झाड़-फूंक करने वाले एक व्यक्ति ने किशोरी से दुष्कर्म किया। आरोपी व्यक्ति किशोरी को रिश्ते में मौसा लगता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा गया। घटना बलुआ थाना क्षेत्र की है। क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी कई दिनों से बीमार थी। पिता ने कई जगहों पर उसका इलाज कराया लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ। इस पर पिता ने धानापुर के खड़ान निवासी तांत्रिक और अपने साढू हनुमान राम से समस्या सुनाई। हनुमान राम ने किशोरी पर भूत प्रेत का साया बता कर झाड़-फूंक करने की बात कही। उसने दावा किया कि झाड़-फूंक से वह हर बीमारी को ठीक कर देगा। गुरुवार को हनुमान किशोरी के घर पर पहुंचा और झाड़-फूंक करने लगा। इस दौरान परिजनों को झांसे में लेकर एक अलग कमरे में बंद हो गया। वहां उसने किशोरी से दुष्कर्म किया। किशोरी के चीखने-चिल्लाने पर परिवार के लोग पहुंचे। जबतक लोग कुछ समझ पाते हनुमान राम मौका देखकर फरार हो गया। किशोरी ने परिवार वालों को

किया। आरोपी व्यक्ति किशोरी को रिश्ते में मौसा लगता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यूपी के चंदौली जिले में इलाज के नाम पर झाड़-फूंक करने वाले एक व्यक्ति ने किशोरी से दुष्कर्म किया। आरोपी व्यक्ति किशोरी को रिश्ते में मौसा लगता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा गया। घटना बलुआ थाना क्षेत्र की है। क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी कई दिनों से बीमार थी। पिता ने कई जगहों पर उसका इलाज कराया लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ। इस पर पिता ने धानापुर के खड़ान निवासी तांत्रिक और अपने साढू हनुमान राम से समस्या सुनाई। हनुमान राम ने किशोरी पर भूत प्रेत का साया बता कर झाड़-फूंक करने की बात कही। उसने दावा किया कि झाड़-फूंक से वह हर बीमारी को ठीक कर देगा। गुरुवार को हनुमान किशोरी के घर पर पहुंचा और झाड़-फूंक करने लगा। इस दौरान परिजनों को झांसे में लेकर एक अलग कमरे में बंद हो गया। वहां उसने किशोरी से दुष्कर्म किया। किशोरी के चीखने-चिल्लाने पर परिवार के लोग पहुंचे। जबतक लोग कुछ समझ पाते हनुमान राम मौका देखकर फरार हो गया। किशोरी ने परिवार वालों को आपबीती सुनाई तो उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई। उन्होंने हनुमान राम का पीछा किया लेकिन वो हाथ नहीं लगा। किशोरी के पिता ने बलुआ थाने में तहरीर दी। इसके आधार पर पुलिस ने हनुमान राम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। बलुआ थाना प्रभारी निरीक्षक विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि पिता के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

12 ग्राम हीरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई से एक महिला हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया गया पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार सुबह 07.40 बजे डाला चढ़ाई स्वामी विवेकानन्द कान्वेन्ट स्कूल मोड़ के पास से बुधनी देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 रामदुलारे गुप्ता निवासी डाला चढ़ाई अभियुक्ता को 12 ग्राम अनुमानित कीमत 120,000 हजार रूपये (एक लाख बीस हजार रुपए) नाजायज हेरोईन के साथ गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना चोपन सोनभद्र पर पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेजा गया वहीं अभियुक्ता का आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0सं0 301/2016 धारा 8/21 थाना चोपन सोनभद्र 2. मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 थाना चोपन सोनभद्र में बताया गया इस दौरान टीम चोपन थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ,डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह मु0 आरक्षी शिवसरन राम, महिला आरक्षी जोहरा बेगम शामिल रहे।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर एक युवक की मौत, दूसरा हॉस्पिटल में भर्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के मुरदहा बाजार में वाराणसी-सिंधोरा मार्ग पर बृहस्पतिवार की देर रात्रि को मिट्टी लदे ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत हो गई वही एक अत्यंत गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार मुर्दहाआ निवासी मनीष कुमार (27वर्ष) अपनी बाइक से वाराणसी की तरफ से अपने घर मुर्धहा जा रहा था। इस दौरान ज्योही मुरदहा बाजार पहुंचा आयर बाजार की तरफ से आ रहे मिट्टी लदे ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार मनीष कुमार और उसका साथी रोशन (21 वर्ष) निवासी मुर्दहां सड़क पर गिर पड़े। जिससे सिर में चोट लगने के कारण मनीष कुमार की मौके पर मौत हो गई और उसका साथी रोशन गंभीर अवस्था में निजी हॉस्पिटल में भर्ती है। ट्रैक्टर पुलिस के कब्जे में है और ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई में जुट गई।

बदमाशों ने बंद घर का बनाया निशाना, दो महीने में आठ मामलों से लोगों में रोष

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। संतोष मिश्रा ने बताया की कुल 10 लाख रुपये की चोरी हुई है। गांव के लालजी मिश्रा, क्षेमेन्द्र नाथ शर्मा, डा अखिलेश मिश्रा, ताराशंकर सिंह, अजीज सिंह ने बताया की दो महीने के अंदर बनकट गांव में आठ बड़ी चोरियां हुई।वाराणसी में लोहता थाना क्षेत्र के बनकट गांव में बंद मकान का ताला तोड़कर दस लाख रुपये के गहनों पर चोरों ने हाथ साफ किया। शुक्रवार को जब परिवार के लोग पहुंचे तो दो कमरों का ताला टूटा था। गोदरेज की अलमारी में रखा सारा पैसा गायब था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। बनकट गांव के संतोष मिश्रा सैयदराजा नेशनल इंटर कॉलेज में कार्यरत है। उनकी पत्नी कोमल मिश्रा और लड़की प्रिया मिश्रा विगत नौ जुलाई को अपने एक रिश्तेदार के यहां सिगरा गई थी। घर में ताला बंद था। यह भी पढ़ें- वाराणसी में आज क्या है सोना-चांदी का भाव, ये है 24 कैरेट गोल्ड का रेट शुक्रवार की सुबह जब उनकी पत्नी और बेटी पहुंची तो देखा मेन दरवाजे का ताला टूटा था। जब अंदर गई तो दो कमरे का ताला टूटा था। कमरे में रखी गोदरेज की आलमारी को तोड़कर उसमें रखे दो सोने के लॉकेट, पांच सोने की अंगूठी, दो चांदी की पायल, चार बिछिया, दो सोने की चेन, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ा बाली, तीन नथनी, एक जोड़ी झूमका और 11 चांदी का सिक्का। पीड़ित संतोष मिश्रा ने बताया की कुल 10 लाख रुपये की चोरी हुई है। गांव के लालजी मिश्रा, क्षेमेन्द्र नाथ शर्मा, डा अखिलेश मिश्रा, ताराशंकर सिंह, अजीज सिंह ने बताया की दो महीने के अंदर बनकट गांव में आठ बड़ी चोरियां हुई। लेकिन पुलिस एक का भी खुलासा नहीं कर पाई है। जिसको लेकर क्षेत्रीय लोगों में दहशत और पुलिस के प्रति काफी आक्रोश है। मौके पर फिंगरप्रिंट और डॉग स्क्वायड पहुंचे। थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया की चोरी का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा।

टमाटर का जलाभिषेक करना चाहते थे अपना दल कमेरा वादी के नेता

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। पुलिस ने रोका तो लगाए कई आरोप टमाटर के बढ़ते दामों को लेकर शुक्रवार को वाराणसी में अनोखा विरोध प्रदर्शन हुआ। अपना दल कमेरावादी के नेता हरीश मिश्रा ने मंदिर में टमाटर का पूजा-पाठ किया। वो जलाभिषेक करने वाले थे। हालांकि पुलिस ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया। टमाटर के बढ़ते दामों को लेकर शुक्रवार को वाराणसी में अनोखा विरोध प्रदर्शन हुआ। अपना दल कमेरावादी के नेता हरीश मिश्रा ने मंदिर में टमाटर के जलाभिषेक की कोशिश की। हरीश मिश्रा ने आरोप लगाया कि सिगरा थाने की पुलिस ने उन्हें पूजा-पाठ करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि महंगाई पर अंकुश न लगने से और जनता की परेशानी को देखते हुए वह पूजा-पाठ करने पहुंचे थे। बनारस वाले मिश्रा जी नाम से प्रसिद्ध हरीश ने कहा कि वह टमाटर का जलाभिषेक कर महंगाई में कमी लाने की प्रार्थना करने वाले थे। इसके लिए उन्होंने टमाटर का ढेर लगाया और जलाभिषेक के बाद बेलपत्र चढ़ाकर आरती करने की तैयारी में थे। इसी बीच पहुंची पुलिस ने उन्हें पूजा से रोक दिया और अपने साथ थाने ले जाने लगी। हरीश मिश्रा ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन जनता को अपना दर्द और अपना सवाल कहने भी नहीं दे रही है। आरोप लगाया कि कोई भी सवाल दर्ज कराने पर विपक्ष के तमाम नेताओं के ऊपर अवैध तरीके से मुकदमे लाद कर जेल भेजा जा रहा है। हरीश मिश्रा ने कहा कि हम इस मामले की जानकारी अपना दल कमेरावादी के नेता एवं सिराथू विधायक डॉक्टर पल्लवी पटेल को देंगे। वो सदन में इस मामले को उठाएंगी।

थानाध्यक्ष व दारोगा समेत 35 पुलिसकर्मियों को स्थानांतरित किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज में थानाध्यक्ष व दारोगा समेत 35 पुलिसकर्मियों को स्थानांतरित किया गया। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से किसी को पुलिस लाइन तो किसी को थाना व चौकी पर स्थानांतरित किया है। बता दें कि गुरुवार की देर रात पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से

निरीक्षक भानु प्रताप को अतिरिक्त निरीक्षक सिविल लाइन से प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन, निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव को प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन से रिजर्व पुलिस लाइन्स, उ0नि0 आशीष कुमार चौबे को थानाध्यक्ष मुट्ठीगंज से प्रभारी एसओजी, जोन नगर, उ0नि0 विपिन यादव को द्वितीय अधिकारी थाना धूमनगंज से थानाध्यक्ष मुट्ठीगंज, उ0नि0 अरविन्द कुमार राय को थानाध्यक्ष सरायइनायत से रिजर्व पुलिस लाइन्स, उ0नि0 आशीष कुमार को प्रभारी एसओजी, जोन नगर से थानाध्यक्ष सरायइनायत, निरीक्षक बृजेश सिंह को प्रभारी निरीक्षक नैनी से प्रभारी निरीक्षक कर्नलगंज, निरीक्षक विरेन्द्र सिंह को बाचक, पुलिस उपायुक्त गंगानगर से प्रभारी निरीक्षक नैनी, उ0नि0 आशीष सिंह को थानाध्यक्ष फाफामऊ से रिजर्व पुलिस लाइन्स, उ0नि0 शान्तनु चतुर्वेदी को प्रभारी सर्विलांस सेल से थानाध्यक्ष फाफामऊ, उ0नि0 प्रेम शंकर को द्वितीय अधिकारी थाना कौंधियारा से प्रभारी चौकी गौहनिया, थाना घूरपुर, उ0नि0 श्रवण कुमार को थानाध्यक्ष उतरांव से द्वितीय अधिकारी थाना धूमनगंज, उ0नि0 पंकज कुमार त्रिपाठी को पीआरओ, पुलिस आयुक्त से थानाध्यक्ष उतरांव, उ0नि0 अमित कुमार सिंह को थानाध्यक्ष होलागढ़ से द्वितीय अधिकारी थाना धूमनगंज, उ0नि0 संदीप कुमार को द्वितीय अधिकारी थाना धूमनगंज से थानाध्यक्ष होलागढ़, निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंह को प्रभारी निरीक्षक कोरांव से प्रभारी आईजीआरएस सेल, उ0नि0 विनोद कुमार को थाना खीरी से थानाध्यक्ष कोरांव, उ0नि0 मनीष कुमार त्रिपाठी को थानाध्यक्ष शिवकुटी से प्रभारी सर्विलांस सेल, जोन नगर, उ0नि0 अजीत सिंह को प्रभारी सर्विलांस सेल, जोन नगर से थानाध्यक्ष शिवकुटी, उ0नि0 रमेश कुमार सिंह को थानाध्यक्ष बहरिया से रिजर्व पुलिस लाइन्स, उ0नि0 योगेन्द्र कुमार पटेल को रिट सेल से थानाध्यक्ष बहरिया, उ0नि0 संजीव कुमार चौबे को थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र से थानाध्यक्ष घूरपुर, उ0नि0 सुभाष कुमार सिंह को प्रभारी चौकी टी0पी0 नगर थाना धूमनगंज से थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र सहित जनपद प्रयागराज में सात निरीक्षक, 22 उपनिरीक्षक, पांच कास्टेबल व एक कांस्टेबल चालक को स्थानान्तरित किया गया है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession
15% Fee Concession

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

मेडिकल कॉलेज के बाद मीरजापुर वासियों को स्वास्थ्य की एक और बड़ी सौगात

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के विशेष प्रयास से मीरजापुर में स्थापित होगा नर्सिंग कॉलेज नर्सिंग कॉलेज की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ कुशल और योग्य नर्सों की उपलब्धता में वृद्धि होगी एवं जनपद में ही रोगियों को सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगीः अनुप्रिया पटे मीरजापुर । मीरजापुर जनपद के विकास में एक और पंख लगने जा रहा है। जनपदवासियों को मेडिकल कॉलेज के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री एवं जनपद की सांसद अनुप्रिया पटेल जी के विशेष प्रयास से जनपद में एक नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से नर्सिंग कॉलेज का प्रस्ताव केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेजा जा चुका है। लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से नर्सिंग कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट

2023-24 स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से देशभर में 157 नए नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना की घोषणा की थी, जिनमें से सर्वाधिक 27 नर्सिंग कॉलेज की स्थापना उत्तर प्रदेश में की जाएगी। अमृतकाल के इस दौर में देश के समग्र विकास के विजन के अनुरूप इन नर्सिंग कॉलेजों का निर्माण 2014 के बाद से स्थापित 157 मौजूदा मेडिकल कॉलेजों के साथ सह-स्थानों में किया जाएगा। प्रधानमंत्री जी मेडिकल कॉलेज का कर चुके हैं उद्घाटनः बता दें कि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के विशेष प्रयास से जनपद में मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा मेडिकल महाविद्यालय की स्थापना की गई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर 2021 में इस मेडिकल महाविद्यालय को जनता को समर्पित किया। इस महाविद्यालय की स्थापना से जनपद सहित प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ हुआ है और क्षेत्रवासियों को गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हुआ है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जनपद में काफी समय से एक नर्सिंग कॉलेज खोलने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर सके। श्रीमती पटेल ने कहा कि जनपद में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ कुशल और योग्य नर्सों की उपलब्धता में वृद्धि होगी। इससे जनपद में ही रोगियों को सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। उक्त आशय की जानकारी शंकर सिंह चौहान, जिला मीडिया प्रभारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है ।

अपर जिलाधिकारी के नेतृत्व में उप खनिजों का अवैध परिवहन करने वाले वाहनों की की गई औचक जांच

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । जिलाधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी

वि0/रा0/ प्रभारी अधिकारी (खनिज) शिव प्रताप शुक्ल के नेतृत्व में ज्येष्ठ खान अधिकारी, मीरजापुर, खान निरीक्षक, मीरजापुर एवं प्रवर्तन टीम, खनिज विभाग, मीरजापुर द्वारा दिनांक 05 जुलाई, 2023 से दिनांक 12 जुलाई 2023 के प्रातः तक उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों की औचक जाँच की गयी। जाँच के दौरान बिना परिवहन प्रपत्र / घ्ऊझ् / ओवरलोड खनिजों का परिवहन करने वाले 01 वाहनों को थाना - अदलहाट में, 06 वाहनों को थाना - अहरौरा में 13 वाहनों को पुलिस चौकी - कजरहट में, 01 वाहनों को पुलिस थाना पड़री 01 वाहन को पुलिस चौकी-बरकछाँ, एवं 04 वाहनों को थाना - हलिया में कुल 26 वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में दिये गया तथा 38 वाहनों को द्वारा खनिज का बिना परिवहन प्रपत्र / घ्ऊझ् / ओवरलोड परिवहन करने पर ऑनलाइन चालान किया गया। इस प्रकार कुल 64 वाहनों को बिना परिवहन प्रपत्र / घ्ऊझ् / ओवरलोड परिवहन के जुर्म में पकड़ा गया। उपरोक्त वाहनों पर नियमानुसार देय खनिज की रायल्टी, खनिमुख मूल्य एवं आरोपित शास्ति की वसूली के अतिरिक्त उपखनिजों का ओवरलोड परिवहन कर रहे वाहनों में परिवहन प्रपत्र जारी करने वाले खनन पट्टाधारकों से भी प्रति वाहन रु0 25000.00 शास्ति की वसूली हेतु अलग से कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त वाहनों से खनन विभाग, वाणिज्यकर विभाग एवं परिवहन विभाग द्वारा लगभग रू0 82.50 लाख के राजस्व क्षतिपूर्ति / जुर्माना की वसूली की जायेगी। जनपद में अवैध परिवहन / ओवर लोड पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किये जाने के दृष्टिगत कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

पूर्व प्रधान के भतीजे का खेत में मिला शव, नाक से निकला था खून

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र । लोगों ने सुनी थी चिल्लाने की आवाज सोनभद्र में शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों के मुताबिक आशीष गुरुवार

की शाम को घर से निकला था। इसके बाद वह नहीं लौटा। देर रात तक परिजन तलाशते रहे, मगर कोई जानकारी नहीं मिली। सोनभद्र में सदर कोतवाली क्षेत्र के सहिजन खुर्द गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव खेत में पाया गया। उसके नाक से काफी खून निकला हुआ था। मृतक की पहचान रौंप गांव के पूर्व प्रधान राजकुमार यादव के भतीजे आशीष के रूप में हुई। सीओ सिटी, कोतवाल और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। परिजनों के मुताबिक आशीष (37) गुरुवार की शाम को घर से निकला था। इसके बाद वह नहीं लौटा। देर रात तक परिजन तलाशते रहे, मगर कोई जानकारी नहीं मिली। शुक्रवार की सुबह पास के ही सहिजन खुर्द गांव स्थित एक सब्जी के खेत में आशीष का शव पड़ा मिला। खेत स्वामी सब्जी तोड़ने गया तो शव देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर चुर्क चौकी इंचार्ज आशीष सिंह पहुंचे। कुछ देर बाद कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह और सीओ सिटी राहुल पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक की पहचान के बाद सूचना परिवार वालों को दी गई। आशीष के नाक से काफी खून निकला हुआ था। उसने उल्टी भी की थी। ग्रामीणों के मुताबिक रात में खेत की ओर से किसी के चीखने की आवाज आ रही थी, लेकिन कोई दिखा नहीं। घटना को लेकर कई तरह की चर्चा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सीओ सिटी राहुल पाण्डेय ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फॉरेंसिक टीम के माध्यम से भी मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं। जल्द ही कारण स्पष्ट हो जाएगा।

दो सब स्टेशन के बीच फसी ग्रामीणों की समस्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र । ग्राम पंचायत-कोटा के टोला कोटा खास में बिजली की समस्या को वर्षो से झेल रहे ग्रामीण। जहां क्षेत्र के जेई व अधिशाषि अभियंता द्वारा गुमराह कर टाल मटोल का मामला प्रकाश में आया। चोपन थाना अंतर्गत परासपानी सब स्टेशन पर कोटा खास के ग्रामीणों से जम कर प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर सम्बन्धित जेई रामलाल से बात करने के बाद सब स्टेशन पर लगभग 2 दर्जन से ज्यादा लोग एकत्रित हो गये। ग्रामीणों ने बताया कि पहले हम कोटा निवासियों को डाला फीडर से सप्लाई बहाल करायी जाती थी। लेकिन कुछ ख़राबी के बाद कुछ दिनों के लिए परासपानी स्थित जावरीडाँड़ फीडर से संचालित कर दिया गया। ऐसे इस फीडर से आये दिन समस्यायों को लेकर ग्रामीण कभी डाला में चक्कर काटते है तो कभी परासपानी में । दोनों जगह के जेई एक दूसरे पर ताल कर

अपना रास्ता निकाल लेते है। जबकि आज शुक्रवार को ग्रामीणों को जेई रामलाल ने स्वयं बुलाया था। परन्तु वाह उपस्थित नहीं हुए। ऐसे में ग्रामीणों से जब बात किया तो अगले दिन मिलने को बोलते हुए रास्ता निकाल दिए। ग्रामीणों ने बिद्युत वीतरण खंड दुतीय (पिपरी) स्थित अधिशाषि अभियन्ता से बात किया तो उन्होंने अपने को छूट्टी पर है बताते हुई किनारा कस लिया । परेशान ग्रामीणों ने कई बार पिपरी में अधिशाषि अभियन्ता से लेकर उपरोक्त को निर्देशित किया परन्तु सुनवाई न होने से त्रस्त ग्रामीणों ने आंदोलन के बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि हमारे गांव की सप्लाई डाला फीडर से था उसे वहीं से बहाल कराया जाय। इस सम्बंध में जेई रामलाल ने बताया कि स्टीमेट बना कर ऊपर दिया जा चुका है। जब पास हो जाय कार्य कराया जाएगा। आखिर कब तक ग्रामीण इंतजार की चक्की में पिस्टे रहेंगे।

लोक गायिका नेहा सिंह राठौर पर दर्ज हुआ एक और केस

'(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र । यूपी में का बा' गाकर चर्चा में आई लोक गायिका नेहा सिंह राठौर पर मध्यप्रदेश की सिंगरौली (बैढ़न) पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामला सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आपत्तिजनक पोस्ट से जुड़ा है। नेहा पर 153ए

के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। इसके बाद लोक गायिका की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सोनभद्र सीमा से सटे मध्यप्रदेश की सिंगरौली (बैढ़न) पुलिस ने चर्चित लोक गायिका नेहा सिंह समेत तीन लोगों पर दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। मामला सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आपत्तिजनक पोस्ट से जुड़ा है। सिंगरौली के जिला धर्म जागरण प्रमुख प्रेमसागर शर्मा ने ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट कर आरएसएस व आदिवासी समुदाय के बीच वैमनस्यता पैदा करने का आरोप लगाते हुए बैढ़न कोतवाली में नामजद तहरीर दिया था।

मंडलायुक्त ने निर्माणाधीन विंध्य कॉरिडोर का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
विंध्याचल। प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कॉरिडोर के निर्माण कार्य में हुई प्रगति का बृहस्पतिवार को शाम को मंडलायुक्त डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. ने निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।निरीक्षण के लिए मंडलायुक्त जब निर्माणाधीन विंध्य कॉरिडोर पहुंचे तो बारिश होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर मौके पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों को उन्होंने कार्य की गति तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिक्रमा पथ के अंदर भूमिगत बिजली के कार्य में तेजी लाने की हिदायत दी। कहा कि सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट को समय से पूरा किया जाना चाहिए। ताकि इसे शीघ्र ही श्रद्धालुओं के लिए समर्पित किया जा सके। इसके पूर्व नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया था। मंडलायुक्त के निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के सफाई नायक मौके से नदारद रहे, लेकिन नगर पालिका के अधिकारी मौजूद रहे। सदर बाजार कोतवाली मार्ग पर भी सड़क के बीचोबीच डिवाइडर के बारे में जानकारी ली। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट प्रबंधक वीरेंद्र कुमार, विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार, एसडीओ प्रताप कुमार भार्गव, विनय कुमार वैश्य, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

वाराणसी-शक्तिनगर हाईवे पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार पिता और दो बच्चों की मौत, पत्नी समेत दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
चोपन। थाना क्षेत्र के कोटा गांव निवासी नटवर उर्फ अंगद (30) शुक्रवार को अपनी पत्नी संगीता (25) और तीन बच्चों को लेकर बाइक से रॉबर्ट्सगंज जा रहा था। चोपन में सोन नदी पर निर्मित पुल पर विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। वाराणसी-शक्तिनगर हाइवे पर चोपन में सोन नदी पुल पर शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-पुत्र और पुत्री की मौत हो गई। हैंडसम मृतक की पत्नी औ? एक पुत्र को गंभीर चोट आई है। उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया। चोपन थाना क्षेत्र के कोटा गांव निवासी नटवर उर्फ अंगद (30) शुक्रवार को अपनी पत्नी संगीता (25) और तीन बच्चों को लेकर बाइक से रॉबर्ट्सगंज जा रहा था। चोपन में सोन नदी पर निर्मित पुल पर विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरने से नटवर और उसके पुत्र सनी (5) व पुत्री अर्चना (7) की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी संगीता और पुत्र जीतू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सभी जिला अस्पताल के लिए रवाना हो गए। चोपन एसओ विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मारपीट और पुलिस पर पथराव करने में 21 गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । संतनगर थाना क्षेत्र के मुस्किरा गांव के जंगल में जमीन संबंधी विवाद में बुधवार को हुई मारपीट के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस पर पथराव कर घायल करने के आरोप में दोनों पक्ष के 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोगों के पास से पुलिस ने रिवाल्वर, गड़ासा, लाठी-डंडा, ट्रैक्टर व बाइक भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बृहस्पतिवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुस्किरा जंगल में 10 बीघा जमीन का विवाद है। इसमें एक पक्ष विरेंद्र सिंह पटेल और दूसरा पक्ष लल्लन शर्मा है। दोनों पक्ष जमीन पर अपना दावा कर रहे हैं। आरोप है कि बुधवार को लल्लन शर्मा काफी संख्या में महिलाओं व पुरुषों के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने पहुंचा। सूचना पर पीआरवी पहुंची तो विवाद बढ़ गया था। इसकी सूचना 112 पीआरवी के पुलिसकर्मी ने थानाध्यक्ष संतनगर अरविंद

सरोज को दी। सूचना पर थानाध्यक्ष पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक मामला चुका था। पुलिस ने दोनों पक्ष के बीच हो रहे विवाद को सुलझाने का प्रयास किया तो पथराव होने लगा। पथराव में थानाध्यक्ष अरविंद सरोज और पीआरवी सिपाही धर्मेंद्र कुमार सिंह घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि इस मामले की जानकारी मिलने पर वे भी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने बलवा, जानलेवा हमला, लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में दोनों पक्ष के 29 नामजद और 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार को मौके से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद बृहस्पतिवार को दबिश देकर पुलिस ने दोनों पक्ष के 21 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों में से वीरेंद्र पटेल के पास एक रिवाल्वर, एक खोखा व पांच कारतूस, 19 लाठी-डंडे, एक गड़ासा बरामद किया गया है। घटना में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर व तीन बाइक भी सीज कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जमीन संबंधी विवाद में दोनों पक्ष पर मुकदमा दर्ज कर 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच में दोनों पक्ष की भूमिका का मामला सामने आया है। आवश्यकतानुसार एनएसए की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में विरेन्द्र सिंह पटेल निवासी हरसिंहपुर थाना चील्ह, सुजीत कुमार शर्मा निवासी नेवढ़िया थाना सन्तनगर, दीपू शर्मा, मुकेश कुमार राम निवासी सहरसा बनकी थाना सन्तनगर, अमृतलाल निवासी पटेहरा थाना सन्तनगर, सत्यदेव सिंह निवासी नेवढ़िया थाना सन्तनगर, आनन्द कुमार मौर्या निवासी मुस्किरा थाना सन्तनगर, मुकेश विश्वकर्मा निवासी मुस्किरा, करमचन्द्र मौर्या निवासी मुस्किरा, सन्तलाल कोल निवासी मुस्किरा को गिरफ्तार किया गया है। इनके अलावा महेन्द्र कुमार मौर्या निवासी मुस्किरा, सत्यम मौर्या निवासी मुस्किरा, प्रमिला देवी निवासी रामपुर रेक्सा, कमला देवी निवासी मुस्किरा, सुनीता देवी निवासी मुस्किरा, अमरकली निवासी मुस्किरा, जीरा देवी निवासी मुस्किरा, निर्मला देवी निवासी मुस्किरा, उर्मिला देवी निवासी मढ़वा नेवादा थाना लालगंज, सविता देवी निवासी मुस्किरा और राजकुमारी निवासी रामपुर रेक्सा थाना सन्तनगर को भी गिरफ्तार किया गया है। उधर, संतनगर थाना क्षेत्र के मुस्किरा गांव में बुधवार को शाम को जमीन संबंधी विवाद में हुए पथराव के मामले को देखते हुए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

विंध्य कॉरिडोर में १६ स्थानों पर लग रहे नक्काशीदार गुंबद

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । देवी-देवताओं की होगी स्थापनामां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ परकोटा

(ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक) बनाया जा रहा है। प्रत्येक ब्लॉक के दोनों हिस्सों के बीचो बीच पत्थरों से डिजाइन कर मंदिर जैसे मॉडल बनाए जा रहे हैं। आठ केंद्र बिंदु के अलग अलग 16 स्थानों पर मंदिर का अलग-अलग गुम्बद नुमा डिजाइन पत्थरों से बनाया जा रहा है। विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ परकोटा (ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक) बनाया जा रहा है। प्रथम तल एवं द्वितीय तल को सजाने संवारने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। विंध्य धाम की भव्यता, सुंदरता आध्यात्मिकता की दृष्टि से परकोटा के छत पर ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक आठ केंद्र बिंदु हैं। प्रत्येक ब्लॉक के दोनों हिस्सों के बीचो बीच पत्थरों से डिजाइन कर मंदिर जैसे मॉडल बनाए जा रहे हैं। आठ केंद्र बिंदु के अलग अलग 16 स्थानों पर मंदिर का अलग-अलग गुम्बद नुमा डिजाइन पत्थरों से बनाया जा रहा है। लोकार्पण से पूर्व 16 स्थानों पर समस्त देवी देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी जो मां विंध्यवासिनी मंदिर की छत से इसकी भव्यता एवं दिव्यता प्रदर्शित करेगी। निर्माण को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य का कॉरिडोर कैसा होगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अभी से विंध्य कॉरिडोर के दर्शन होने लगे हैं। साथ ही साथ गलियों का चौड़ीकरण करने के पश्चात सड़क के बीच डिवाइडर का भी निर्माण कार्य चल रहा है। इस डिवाइडर पर तरह-तरह के रंग बिरंगे पौधे लगाए जाएंगे जो एक अलग सुंदरता बिखेरेंगे। इसमें चार चांद लगाने के लिए रंगीन लाइट भी लगाई जाएगी। सदर बाजार कोतवाली मार्ग पर एवं पक्का घाट मार्ग पर कार्य प्रगति पर है। इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार के साथ-साथ ही जिला प्रशासन गंभीरता से काम कर रहा है।

विद्यालय में गंदगी मिलने पर प्रधानाचार्य को दी चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
लालगंज। जिला विद्यालय निरीक्षक अमरनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को तहसील क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगह परिसर में साफ-सफाई नहीं मिली। शौचालय में गंदगी दिखी। साथ ही मानव पोर्टल पर अवकाश, बायोमैट्रिक उपस्थिति, शैक्षिक पंचांग, प्रवेश संख्या की जांच में भी गड़बड़ी मिली। इस पर संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही बिना मान्यता के विद्यालय संचालित पाए जाने पर प्राथमिकी दर्ज कराने की भी चेतावनी दी।इस दौरान परिसर की समुचित साफ-सफाई नहीं मिली। उन्होंने प्रधानाचार्य को चेतावनी दी कि परिसर में किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं मिलनी चाहिए। साथ ही शैक्षिक पंचांग के अनुरूप पठन-पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया। इसी क्रम में हलिया क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान प्रवेश की संख्या आनुपातिक दृष्टिकोण से कम पाए जाने पर प्रधानाचार्य को उन्होंने चेतावनी दी। उन्होंने आगाह किया कि बिना मान्यता के विद्यालय संचालित मिलने पर संबंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

अदलहाट में वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या, इलाके में फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । मिर्जापुर के अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव में एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक के गर्दन पर गोली लगी है। मिर्जापुर में एक शख्स की गोली मारकर हत्या की खबर है। बताया जा रहा है कि युवक के गर्दन पर गोली लगी है। घटना के बाद अदलहाट पुलिस मौके पर पहुंची। घटना अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मृतक का नाम हरिश्चंद्र विश्वकर्मा (35 वर्ष) पुत्र रामधनी विश्वकर्मा निवासी डेहरी थाना अदलहाट, बताया जा रहा है।

भारत ने दूसरे दिन 3 गोल्ड मेडल किए अपने नाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन गुरुवार को सीनियर वर्ग में भारत के शुभम टोडकर ने 61 किग्रा स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 59 किग्रा महिला वर्ग में भारत की पोपी हजारिका ने गोल्ड मेडल जीता। पोपी ने 84 और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाया। जूनियर 59 किलोग्राम महिला वर्ग में मालटा की तनीसाई थ्रोनटन ने 186 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। भारत की सोमन सिंह को 167 किग्रा भार उठाकर रजत पदक से संतुष्ट होना पड़ा 67 किग्रा पुरुष वर्ग में भारत के मारकियो तारीयो ने 278 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक झटका। पुरुष वर्ग में समोआ देश के वैपावा निवो ने स्वर्ण पदक जीता, भारत के माधवन टी ने रजत पदक अपने नाम किया।

यशस्वी के पास बेहतरीन मौका'...ईशांत शर्मा ने बताया बड़ा कारण, कहा- वेस्टइंडीज भी कर सकती है वापसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑफ स्पिनर आर अश्विन के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने डोमिनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मैच के पहले दिन ही मैच पर अपना दबदबा बना लिया है। मेजबान टीम को 150 रन पर रोकने के बाद मेहमान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक बिना किसी नुकसान के 80 रन बना लिए थे वेस्टइंडीज और भारत (ेंघ् ने घ्ङ ऊू ऐीगे) के बीच पहले टेस्ट मैच में भारत मेजबानों की पहली पारी के स्कोर से अब केवल 70 रन से पीछे है। अश्विन ने 24.3 ओवर में 60 रन देकर 5 विकेट लिए और बेहतरीन वापसी की। अश्विन ने अल्जारी जोसेफ को आउट

करके अपना 700वां अंतरराष्ट्रीय विकेट भी हासिल किया।जियोसिनेमा पर एक एक्सपर्ट के तौर पर अपनी पारी शुरू करने वाले भारत के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने दूसरे दिन के खेल को लेकर कहा, ठरोहित शर्मा (30 नाबाद) और यशस्वी जयसवाल (40 नाबाद) शुरुआती घंटे में अपने अप्रोच को लेकर सतर्क दिखेंगे। वे अपना समय लेकर बाकी के 70 रन बनाने की कोशिश करेंगे क्योंकि इस मैच में अभी काफी समय है।अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे यशस्वी जायसवाल के बारे में ईशांत ने कहा, ठअब उसके पास एक प्लेटफार्म है, जिस पर अपनी पारी को संवार सकते हैं। उन्हें पहले अपना अर्धशतक पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए और फिर धीरे- धीरे अपनी पारी को संवारना चाहिए। यह उनके लिए शतक बनाने का शानदार मौका है।स्पिनरों के बेहतरीन प्रदर्शन पर ईशांत शर्मा ने कहा, ठजैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, विकेट भी खराब होता जाएगा। इसलिए, भारत अभी जिस स्थिति में है उसे 300 रनों की बढ़त के बारे में सोचना चाहिए ताकि उसे दूसरी पारी में बल्लेबाजी न करनी पड़े। ईशांत का मानना है कि अगर वेस्टइंडीज फोकस्ड रहे तो वह अब भी वापसी कर सकती है। ईशांत बोले, ठवेस्टइंडीज के लिए, पहला सेशन महत्वपूर्ण होगा। भले ही वे पहले घंटे में विकेट न ले पाएं, लेकिन उन्हें रन गति पर अंकुश लगाकर मैच में बने रहने की कोशिश करनी चाहिए। उनके स्पिनर अच्छा कर सकते हैं क्योंकि पिच से उन्हें सपोर्ट मिल सकता है।

शुभमन गिल का नंबर तीन पर बल्लेबाजी के फैसले को लेकर बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि वह नंबर तीन बल्लेबाज की भूमिका को सलामी बल्लेबाज से बहुत अलग नहीं मानते हैं। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में चेतेश्वर पुजारा की

जगह तीसरे नंबर पर खेल रहे हैं। सीरीज के शुरूआती मैच के लिए युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल को ओपनर बल्लेबाज के रूप में खेलने के लिए नामित किया गया है। गिल ने शुरूआती टेस्ट से पहले प्रसारण चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि ठउन्होंने (टीम प्रबंधन) मुझसे पूछा कि मैं किस नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहता हूं और मैंने कहा कि मैं नंबर 3 पर बल्लेबाजी करना चाहता हूं। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां मैं मजबूत होना चाहता हूं। गिल ने कहा कि भारत के लिए तीसरे नंबर पर ओपनिंग करने का उनका अनुभव फायदेमंद रहेगा। गिल ने कहा कि नई गेंद से खेलना हमेशा अच्छा होता है। मेरे पास नई गेंद का अनुभव है और जब आप नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हैं तो यह ओपनिंग से बहुत अलग नहीं होता है, हालांकि इसमें थोड़ा अंतर होता है। गिल ने कहा कि वह खुद को अभी सीनियर खिलाड़ी नहीं मानते हैं। सिर्फ भूमिका में बदलाव हुआ है। गिल ने कहा कि उन्होंने एक महीने के ब्रेक का आनंद लिया और अपने परिवार के साथ काफी समय बिताया। उन्होंने कहा कि बारबाडोस में यह मेरा पहली बार था, डोमिनिका में भी यह पहली बार है। हम यहां बहुत पहले आ गए थे और अच्छी ट्रेनिंग भी की। हेड कोच से गिल ने की बात- कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि गिल नंबर 3 पर खेलेंगे क्योंकि वह खुद इस नंबर पर खेलना चाहते हैं। उन्होंने राहुल (द्रविड़) से चर्चा की। गिल ने द्रविड़ से कहा कि मैंने अपना सारा क्रिकेट नंबर 3 और 4 पर खेला है। गिल को लगता है कि वे नंबर तीन पर बल्लेबाजी करके टीम के लिए बेहतर कर सकते हैं।

हम महीनों तक बात नहीं करते.विराट कोहली संग दोस्ती पर सुनील छेत्री का बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विराट कोहली और सुनील छेत्री भारतीय खेल के दो सबसे बड़े स्टार हैं, लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी अच्छी दोस्ती है। कोहली और छेत्री ने अच्छे और बुरे दोनों समय पर एक-दूसरे का समर्थन किया है। दोनों ने आपस में कई यादगार पल शेयर किए ह हाल ही में सुनील छेत्री ने यूट्यूब के इन द स्टैंड्स शो में खुलासा किया कि ङ्घहम बहुत सी सामान्य चीजों के बारे में बात करते हैं। हम खूब हंसी-मजाक करते हैं। हम बहुत सारे चुटकुले और बहुत सारी मजेदार चीजें शेयर करते हैं। मेरी काफी गहरी और सार्थक बातचीत हुई है। ऐसा नहीं है कि हम हर दिन 24 7 बात करते हैं। ऐसा समय भी आता है जब हम महीनों तक बात नहीं करते, लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि वह भी इस चीज को समझते हैं और मैं भी। इसके बावजूद हम जब अगली बार मिलते हैं तो एकदम पुराने दोस्त की तरह मिलते हैं। कई बार जब मैं महसूस करता हूं कि मैं कौन हूं और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। कई बार कोहली भी ऐसा ही महसूस करते हैं और ऐसा ही समय था जब हमने बातचीत की थी। कोहली को लगता है कि हर कोई यह नहीं समझ सकता कि हम किस दौर से गुजर रहे हैं और यह बिल्कुल सही बात है। छेत्री ने कहा कि ङ्घमैं यह बात बहुत विनम्रता के साथ कह रहा हूं। मैं जो हूं, वैसा बने रहना एक बहुत ही खास

अधिकार और सम्मान की बात है। मैं बहुत धन्य हूं। मैंने जितने साल खेला है, जितनी चीजें मैंने हासिल की हैं, जिन लोगों के साथ मैंने ड्रेसिंग रूम शेयर किया है, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। मैं इसके लिए बहुत से लोगों का बहुत आभारी हूं। छेत्री क्लब और देश दोनों के लिए शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 134 मैचों में 56 गोल और भारत के लिए 142 मैचों में 92 गोल किए।

भारत में क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 देखकर वापस लौट जाएगी सीमा हैदर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

(आधुनिक समाचार सेवा)
ग्रेटर नोएडा। पाकिस्तान के कराची से आई सीमा हैदर के साल से उसके संपर्क में थी। वह उससे हमेशा कहती रहती थी कि उसे भारत में क्रिकेट का विश्व कप किसी भी मीडिया कर्मी से नहीं मिले। स्वजन का दावा है कि बुधवार को सीमा और सचिन की तबीयत बिगड़

बिना दस्तावेज भारतीय सीमा में दाखिल होने के बाद कोई उसे आईएसआई का एजेंट बता रहा है तो कुछ लोग उसे शगुन देकर सम्मानित भी कर रहे हैं। इसी बीच इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। वीडियो में एक पाकिस्तानी पत्रकार व दूसरा खुद को सीमा का प्रेमी बताने वाला एक युवक आपस में बात कर रहे हैं पत्रकार के पूछे जाने पर युवक बता रहा है कि सीमा उसकी दोस्त थी। वह दो देखने जाना है। विश्व कप देखने के बाद वह अपने पति गुलाम हैदर के पास सऊदी अरब लौट जाएगी वीडियो में सीमा का दोस्त बता रहा है कि कि उसने वादा किया था कि, वह आभूषण और रुपये लेकर उसके पास लाहौर आ रही है, लेकिन उसे पता चला कि वह उसे धोखा देकर सऊदी अरब और नेपाल के रास्ते भारत चली गई है। वीडियो में सीमा का दोस्त सचिन को भी सचेत करता नजर आ रहा है। वहीं, गुरुवार को सीमा और सचिन गई थी। डाक्टर ने दवा देने के बाद उन्हें आराम करने की सलाह दी है।इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में सीमा अपने आप को सीमा ठाकुर या ठकुराइन के नाम से पुकारे जाने की इच्छा जता रही है। इस बात पर राजपूत उत्थान सभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह ने कहा है कि उसे ठकुराइन शब्द प्रयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। उसने इस प्रकार ठाकुर शब्द का प्रयोग कर समस्त राजपूत समाज को अपमानित करने का काम किया है।

यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू टेस्ट में शतक जड़कर लगाया रिकॉर्ड्स की अंबार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कहते है कि अगर इंसान में हुनर है तो सफलता खुद-ब-खुद उसके कदम चूमती है। इस कहावत भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने सही साबित कर दिखाया है। वेस्टइंडीज की सरजमीं पर यशस्वी ने डेब्यू मैच में शतक जड़कर वो कारनामा कर दिखाया जो आज तक न सुनील गावस्कर कर सके, वीरेंद्र सहवाग न कर सके, वह 21 साल के यशस्वी जायसवाल ने कर दिखाया। बता दें कि डेब्यू टेस्ट मैच में ही जायसवाल के बल्ले से दमदार शतक निकला, जिसके साथ ही उन्होंने कई रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा ली है। आइए जानते है यशस्वी जायसवाल के इन रिकॉर्ड्स के बारे में।द दरअसल, डेब्यू मैच में ही यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में शतक जड़ा और इसके साथ ही इतिहास रच दिया। 21 साल के युवा बल्लेबाज ने भारत के बाहर जाकर अपने डेब्यू मैच में शतक जड़ा। वह ऐसे पहले भारतीय ओपनर बन गए है, जिन्होंने वेस्टइंडीज में डेब्यू मैच में ही शतक ठोका। उनसे पहले साल 1971 में सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज में डेब्यू किया था, लेकिन पहले मैच में शतक जड़ने में नाकाम रहे थे। वहीं 2011 में विराट कोहली ने भी विंडीज जमीन पर डेब्यू किया था लेकिन शतक नहीं लगा पाए थे। बता दें कि एशिया के बाहर भारत की तरफ से पहले विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड रोहित-यशस्वी की जोड़ी ने बनाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 200 रन से पार की साझेदारी हुई। इससे पहले यह रिकॉर्ड सुनील गावस्कर-चेतन शर्मा (213 इंग्लैंड, 1979) के नाम था। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पहले विकेट की सबस बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड भी बना। इससे पहले ये रिकॉर्ड वीरेंदर सहवाग और संजय बांगर (201, वानखेड़े 2002) के नाम था।

आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के नियम को बदला, खिलाड़ियों पर रुपयों का घटेगा बोझ

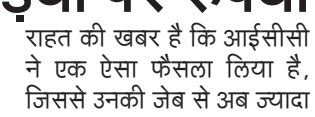

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के बाद अब भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस टेस्ट सीरीज के बीच आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए ये राहत की खबर है कि आईसीसी ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिससे उनकी जेब से अब ज्यादा

पैसा नहीं जाएगा। साउथ अफ्रीका के डरबन में आईसीसी की एनुअल कॉन्फ्रेंस में कई अहम फैसले लिए गए, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में धीमी ओवररेट पर ठोके जाने वाला जुर्माने में कटौती हो गई है। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में स्लो ओवररेट की सजा में बदलाव किया है जिसकी जानकारी आईसीसी ने दी। स्लो ओवररेट के कारण टीमों के खाते से कटने वाले प्वाइंट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया, लेकिन खिलाड़ियों की फीस काटने के नियम में बदलाव हुआ।¬

राशिफल

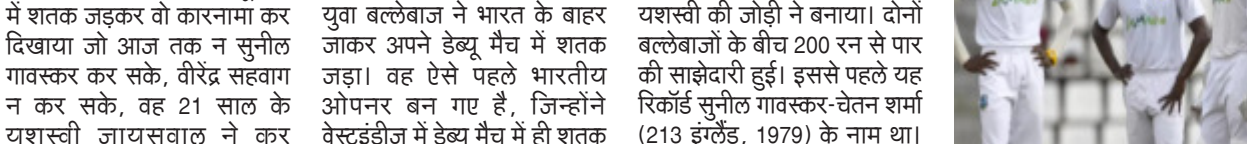

मेष-:आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग नौकरी में हैं।

वृष-:आज व्यापार की दृष्टि से शुभ समय है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए नए अवसर प्राप्त करने का उत्तम समय है।

मिथुन-:ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. भाई-बहन से किसी बात को लेकर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

कर्क-:इससे आप अपनी व्यवसाय संबंधी समस्याओं को सुलझाने में पहल और अधिक रुचि ले सकेंगे। साझेदारी आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन ला सकती है।

सिंह-:थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकते हैं। नए जोड़ों के जीवन में खुशियां बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य की दृष्टि से आज का दिन बेहतर है।

कन्या-: व्यवसायी अपने व्यावसायिक कौशल और निर्णय लेने की क्षमता के कारण उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। आपके लिए आर्थिक लाभ कमाने के अप्रत्याशित रास्ते भी खुलने की संभावना है।

तुला-: घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। घर के बुजुर्ग आपके काम से प्रभावित होंगे।

वृश्चिक-:आपके विरोधी निष्क्रिय रहेंगे और महत्वपूर्ण अधिकारियों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी और आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी।

धनु-:किसी काम में आपको सकारात्मक नतीजे मिलेंगे, जिससे आप खुशी महसूस करेंगे। आज कुछ पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की भी संभावना है।

मकर-:आज का दिन आपके लिए परेशानी भरा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए यह समय कठिन हो सकता है। व्यावसायिक दृष्टि से चीजें यथावत रहेंगी।

कुंभ-:आज आपको किसी खास काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। आप परिवार के साथ कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मीन-:आज का दिन उत्तम है। जो लोग परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश में हैं या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

यशस्वा और रोहित ने कैरेबियाई गेंदबाजों के होश उड़ाकर जड़े दमदार शतक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दोहरा शतक, लिस्ट ए मैच में दोहरा शतक, अंडर-19 विश्व कप में शतक, रणजी ट्राफी में शतक, ईरानी कप में शतक, दलीप ट्राफी में दोहरा शतक, विजय हजारे ट्राफी में शतक, इंडिया 'ए' के लिए शतक, आइपीएल में शतक और अब पदार्पण टेस्ट मैच में शतक। ये कारनामा करने वाले बल्लेबाज का नाम है यशस्वी जायसवाल।ऐसा कोई टूर्नामेंट नहीं है, जिसमें मुंबई का यह 21 वर्षीय बल्लेबाज खेला हो और अपनी छाप न छोड़ी हो। यशस्वी (143) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार शतक जड़कर दिखा दिया कि क्यों उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा कहा जा रहा है। यशस्वी पदार्पण टेस्ट में शतक लगाने भारत के 17वें बल्लेबाज हैं। वह ये उपलब्धि प्राप्त करने वाले तीसरे आरंभिक बल्लेबाज हैं।यशस्वी ने कप्तान रोहित शर्मा (103) के साथ पहले विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की, जो वेस्टइंडीज के विरुद्ध किसी भी भारतीय जोड़ी की सर्वोच्च साझेदारी है। इस साझेदारी के दम पर भारतीय टीम ने चाय तक दो विकेट पर 245 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। भारत ने वेस्टइंडीज पर 162 रन की बढ़त बना ली है।वेस्टइंडीज के विरुद्ध टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले जिस खिलाड़ी की सबसे ज्यादा चर्चा थी, वह यशस्वी ही थे। मुंबई के इस बल्लेबाज ने आइपीएल और घरेलू सत्र में रनों का अंबार खड़ा किया, ने बेहतरीन संयम और सराहनीय स्वभाव का प्रदर्शन किया।आइपीएल में 13 मई को महज 13 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले यशस्वी ने उन्होंने यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 229 रन जोड़े, जो कैरेबियाई टीम के विरुद्ध सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी

जिसकी बदौलत पहले उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम में स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया। फिर वेस्टइंडीज के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में चुना गया पहले टेस्ट में यशस्वी का खेलना तय माना जा रहा था, लेकिन बड़ा प्रश्न था कि वह किस स्थान पर खेलेंगे। टीम प्रबंधन ने यशस्वी को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग पर भेजा और मुंबई के इस बल्लेबाज 215 गेंदों में टेस्ट शतक जड़ा। वह पदार्पण टेस्ट में शतक लगाने वाले चौथे सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए।वेस्टइंडीज के विरुद्ध पदार्पण टेस्ट में शतक जड़ने वाले यशस्वी तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार के बाद टेस्ट में अपनी उपयोगिता साबित करने उतरे रोहित ने कप्तानी पारी खेलते हुए टेस्ट करियर का 10वां शतक जड़ा। है दूसरे दिन विंडसर पार्क की पिच और धीमी हो गई और गेंद बल्ले पर रुक कर आ रही थी। पहले सत्र में भारतीय बल्लेबाजों ने कोई जोखिम नहीं लिया और सिर्फ 66 रन जोड़े। रखीम कार्नवाल और जोमेल वारिकन को छोड़ दें तो कोई अन्य कैरेबियाई गेंदबाज रोहित और यशस्वी की जोड़ी के लिए परेशानी पैदा नहीं कर सका।

सम्पादकीय

मानसून में डूबते शहर, नगर के साथ-साथ महत्वपूर्ण है पर्यावरण नियोजन

जिस प्रकार शहरी नियोजन महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार पर्यावरण नियोजन भी महत्वपूर्ण है। अब समय आ गया है कि सरकारें और योजना एजेंसियां इन पर ध्यान केंद्रित करें, ताकि देश के लोग मानसून में सुरक्षित रह सकें और पर्यावरणीय बदलावों का सामना करने के लिए हमारे पास बुनियादी ढांचा मौजूद रहे।

हर बार ग्रीष्म ऋतु में ज्यादातर भारतीय गर्मी का सामना करते हैं और उन्हें मानसून से ही राहत मिलती है। फसलों के लिए मानसून पर निर्भर रहने वाले किसान यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतते हैं, कि उनकी फसलों को बारिश से फायदा हो। इसके साथ बहुत-से लोग ऐसे भी होते हैं, जो प्रकृति के प्रकोप से डरते हैं, क्योंकि भयंकर बारिश तबाही मचा देती है। और यह अब सिर्फ शहरी क्षेत्रों की कहानी नहीं है, बल्कि इन दिनों पूरा भारत गंभीर मानसून के प्रकोप का सामना कर रहा है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक का जलमग्न होना और लोगों का इससे प्रभावित होना अब आम बात हो गई है। मूसलाधार बारिश और बाढ़ से उत्तर भारत के सात राज्य और केंद्र शासित प्रदेश बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिनमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली शामिल हैं।

अभी जुलाई की शुरुआत है और पहले ही देश के कई हिस्से भारी बारिश का सामना कर रहे हैं। विडंबना यह है कि कुछ महीने पहले ही भविष्यवाणी की गई थी कि हमें अल नीनो प्रभाव का सामना करना पड़ेगा, जो मूलतः मानसून को दबा देता है, जिससे मानसून के दिनों में कुल बारिश में कमी हो जाती है। लेकिन हाल के हफ्तों में हुई बारिश को देखें, तो जलमग्न होने के कारण कई शहर ठप पड़ गए हैं और कई स्थानों पर स्कूलों को बंद कर दिया गया है। विभिन्न कार्यालयों को यह सलाह दी गई है कि वे अपने कर्मचारियों से घर से काम करवाने पर विचार करें। बाढ़ जैसी स्थिति से होने वाले नुकसान का आकलन कई हजार करोड़ रुपये का है और फायदे का कोई आंकड़ा नहीं है। ऐसी कई चीजें हैं, जो अत्यधिक और कभी-कभी अप्रत्याशित बारिश का कारण बन रही हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी की सतह के बढ़ते तापमान का असर भी शामिल है। लेकिन भारी नुकसान के लिए असली दोषी खराब बुनियादी ढांचा और भावी मौसम की स्थितियों, खासकर भारी बारिश को ध्यान में रखते हुए अनियोजित निर्माण है। कृषि योग्य भूमि और झील एवं आर्द्रभूमि जैसे सूख चुके पुराने जल निकायों का उपयोग कंकरीट से बनी संरचनाओं के निर्माण के लिए किया जा रहा है, जो पानी को सोखने के लिए उपयुक्त नहीं है। आम तौर पर, झीलें और तालाब अतिरिक्त सतही पानी को बनाए रखने के काम आते हैं और यह भारी बारिश एवं बाढ़ के दौरान प्राकृतिक नमी का एक प्रमुख घटक है।

इसी तरह, पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निर्माण और प्राकृतिक जल निकायों के प्रवाह में जबरन बदलाव से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। वन भूमि मिट्टी को बनाए रखने और भू-जल को रीचार्ज करने में मदद करती है। विकास और सड़कें बनाने के नाम पर वनों की कटाई के कारण नदियों के प्राकृतिक प्रवाह का नुकसान चिंता का विषय है। हर साल कोई न कोई पहाड़ी इलाका बारिश और बाढ़ की मार झेलता रहा है। अक्सर इन इलाकों में गांव डूब जाते हैं और जीवन व आजीविका बुरी तरह प्रभावित होती है। यहां तक कि एक-दो दिन की छोटी-सी अभूतपूर्व बारिश भी शहरों और कस्बों को लंबे समय तक जलमग्न कर देती है।

उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नोएडा एवं गुड़गांव में नव विकसित टाउनशिप को लें, तो सड़कों पर कई घंटों तक नदियों की तरह पानी जमा रहना आम बात है, जिससे यातायात और जीवन रुक जाता है। इन शहरों को बाकायदा योजना बनाकर बसाया गया, फिर भी इन्हें प्रकृति के प्रकोप का सामना करना पड़ता है, क्योंकि योजना में मानसून, पानी के प्रवाह व भूजल रिचार्ज करने पर ध्यान नहीं दिया गया।

मणिपुरः ठीक नहीं है सेना पर कीचड़ उछालना, देश के लिए खतरनाक हैं ऐसे बयान

दो महीने से ज्यादा वक्त हो गया, मणिपुर में सुधरते-बिगड़ते हालात के बीच आ रहे बयानों से हमारे माथे पर चिंता की लकीरें पड़नी चाहिए। अमेरिका में प्यार की पींगों के बाद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कोलकाता स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मणिपुर रही, हालांकि गार्सेटी ने यह बताना आवश्यक समझा कि अमेरिका का सरोकार सामरिक नहीं है। पूर्वोत्तर में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास मॉडल का उदाहरण आईएएस अधिकारी आशीष कुंद्रा ने गहन फील्ड वर्क के बाद हाल में प्रकाशित किताब ए रिसर्जेंट नॉर्थ ईस्ट : नैरेटिव्स ऑफ चेंज में दिया है। सांविधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। लेकिन इसकी भी पृष्ठभूमि है। 18 जून को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने जोरमथंगा से अनुरोध किया कि मिजोरम के मैती निवासियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएं।रिपोर्टों के मुताबिक, मणिपुर भारतीय सेना को परोक्ष रूप से किसी राजनेता का प्रतिवाद करने को बाध्य कर दिया। हिंदुस्तान टाइम्स की 31 मई की रिपोर्ट : चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि मणिपुर में झड़पों का संबंध उग्रवाद विरोधी कार्रवाई से नहीं है, यह मुख्यतः जातीय हिंसा है। तीन दिन पहले भौगोलिक अखंडता की रक्षा में अंतिम अस्त्र सेना को निशाना बनाया जाने लगा। मणिपुर में सेना पर कीचड़ उछालने वाले भयानक देशद्रोह कर रहे हैं। यह वह सेना है, जिसकी बदौलत असम, नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर भारत का अभिन्न अंग बने हुए हैं। मणिपुर पुलिस को मैती-कुकी आधार अलावा तमिल और अन्य जातीय लोग भी हैं। चक्रवर्ती बताते हैं कि कर्नाटक और तमिलनाडु के लाल चंदन को मोरेह लाकर म्यांमार और वहां से दक्षिण-पश्चिम चीन भेजा जाता है। भारत के पूर्वोत्तर की तुलना में वहां कीमत चार-पांच गुना हो जाती है। इस धंधे में लगे कुछ असरदार तमिलों की

की घटनाएं मानवीय चिंता का विषय हैं। अंग्रेजी दैनिक द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, 'हम शांति की कामना करते हैं। जब आप हिंसा में बच्चों को मरता देख रहे हों, तब आपको परवाह करने के लिए भारतीय होना जरूरी नहीं है। अगर कहा जाए, तो हम हर तरह से सहायता करने को तैयार हैं। मार्गदर्शक सिद्धांत यह हो कि हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस करे। हम वहां अधिक सहकार, अधिक परियोजनाएं और अधिक निवेश ला सकते हैं। भारत के पूर्व और पूर्वोत्तर से हमारा सरोकार है। यहां के लोगों, स्थानों, क्षमताओं और भविष्य से हमारा सरोकार है।' म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान से लगे चीन की पहुंच वाले क्षेत्र में बेलौस मुहब्बत तो यह फिक्र नहीं पैदा कर असम में एक किसान ने उन्हें बताया कि बहुराष्ट्रीय निगमों ने खाद्य वस्तुओं के पीछे षड्यंत्र चला रखा है; वे हाइब्रिड बीज बेचते हैं, जिससे स्थानीय फसलें और जीन पूल तबाह हो रहे हैं। दूसरा बयान मिजोरम के मुख्यमंत्री और एनडीए के समर्थक, मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरमथंगा का है। मणिपुर में एक कुकी का सिर काटे जाने के बाद उन्होंने संकेत दिया कि एक प्रशासकीय यूनिट के तहत सभी मिजो जनों को रखने की फ्रंट की ऐतिहासिक मांग फिर रखी जा सकती है। हमारी कामना है कि चर्चों को जलाए जाने, हत्याओं और हिंसा की एक भी फोटो या वीडियो क्लिप अब देखने को न मिले। अगर शांति स्थापित करने का एक ही रास्ता है, तो क्या हम उसे चुनेंगे? में हिंसा के नतीजतन वह भागकर मिजोरम पहुंचे, बारह हजार से ज्यादा ईसाई कुकियों की खोज-खबर नहीं ली। अगले दिन टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीरेन सिंह ने इंफाल में मीडिया से कहा, 'मुख्यतः कुकी दहशतगर्द हिंसा बंद करें, वरना उन्हें नतीजे भुगतने पड़ेंगे। मैं हथियारबंद मैतियों से अपील करता हूं कि वे कहीं भी हमले न करें और शांति बनाए रखें।' शब्दावली से भावार्थ बहुत स्पष्ट है। अल्टीमेटम जैसी भाषा में इस कड़वे सच की झलक नहीं मिलती कि मौके के हिसाब से दोनों पक्ष मारकाट कर रहे हैं। अलगाव की प्रबल भावना और धर्म-नस्ल के आधार पर खड़े किए गए आख्यान की यह अनिवार्य त्रासदी होती है। मणिपुर में लगी आग ने पहली बार बीरेन सिंह ने कहा था, 'सुरक्षा बलों और उग्रवादियों में हुई मुठभेड़ में 40 कुकी मारे गए।' पहली बार यह भी हुआ कि सेना के अंदर मैती-कुकी को देखा जाने लगा। विविधतापूर्ण देश की सेना इस स्थायी एवं अपरिवर्तनीय सिद्धांत की याद दिलाने को मजबूर हुई कि भारतीय सेना के सभी रैंक नस्ल, जाति, मत, लिंग-भेद से मुक्त हैं। सेना ने उस वीडियो को भी जारी कर दिया, जिसमें महिलाओं का एक मोर्चाबंद समूह सैनिकों को सशस्त्र उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई करने से रोक रहा था। सेना महिलाओं पर गोली चला नहीं सकती थी, इसलिए उसे एक मैती उग्रवादी संगठन के 12 उग्रवादियों को छोड़ना पड़ा। नासूर के फैलाव का यह परिणाम है कि भारत की पर बांट दिया गया। अर्द्ध सैनिक बलों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए जाने लगे। सब कुछ बिखर जाए, तो पाकिस्तान और चीन के ही मंसूबे पूरे होंगे। मणिपुर में हिंसा के शुरुआती दौर में ही कथानक गढ़ा जाने लगा कि नशे के कारोबारी चोट पड़ने की वजह से हिंसा पर उतर आए हैं। इशारा कुकियों की ओर था। कुकी बहुल पहाड़ी जिले चूराचंद्रपुर का सीमावर्ती इलाका मोरेह तरह-तरह के काले कारोबार का गढ़ है। सुदीप चक्रवर्ती ने अपनी चर्चित पुस्तक द ईस्टर्न गेट में मोरेह प्रवास का आंखें खोल देने वाला विवरण दिया है। हेरोइन विक्रेता, एक मैती महिला ने उन्हें बताया कि लगभग 150 विक्रेताओं में बहुमत कुकियों का है, मगर इनमें करीब बीस फीसदी मैती हैं; इसके पहुंच पूर्वोत्तर से लेकर हजारों मील दूर दक्षिण भारत तक है। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय तस्कर इतने बड़े मकड़जाल को विशाल भू-भाग में विभिन्न स्तरों पर सरकारी मिलीभगत के बिना सुरक्षित नहीं रख सकते। जहरीली मानसिकता सिर्फ एक बिंदु को देखती है। तकरीबन शांत चल रहे मणिपुर में तीन मई को भड़की हिंसा के बाद कुकी मैतियों के साथ नहीं रहना चाहते। उधर मणिपुर के नगाबहुल, करीब एक तिहाई हिस्से पर नगालैंड की नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (आई-एम) पहले से ही दावा कर रही है। मणिपुर की भौगोलिक एकता पूरे भारत से जुड़ी हुई है। इसकी हिफाजत विभाजक मुद्दे उठाकर नहीं की सकती।

अंतरिक्ष में परचम लहराने की तैयारी, 140 तक पहुंची टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या

वर्ष 2014 से पहले भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है एक जमाने में भारत को सपेरों का देश कहा जाता था, लेकिन अब भारत अंतरिक्ष की दुनिया में एक महाशक्ति बनने की राह पर है, जिससे आगामी पांच वर्षों में भारत की स्पेस इकनॉमी चार लाख 10 हजार करोड़ रुपये की हो सकती है। भारत के स्टार्ट-अप सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सैटेलाइट और रॉकेट इंजन भी अपने देश में विकसित कर रहे हैं। इनमें से कुछ स्टार्ट-है, जिसका मकसद अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत को दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष में नए-नए कीर्तिमान लगातार स्थापित कर रहा है। 2014 से लेकर अब तक इसने 44 स्पेस क्रॉफ्ट मिशन और 42 लॉन्च व्हीकल परिस्थितियों का आकलन किया गया था। चंद्रयान-3 में तीन मॉड्यूल क्रमशः प्रोपल्शन (प्रणोदन), लैंडर तथा रोवर हैं। 'प्रणोदन मॉड्यूल' में चांद की कक्षा से पृथ्वी के वर्णक्रमीय और ध्रुवीय माप का अध्ययन करने के लिए 'स्पेक्ट्रो पोलरिमेट्रिक ऑफ

अग्रसर है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी भूमिका को पूरी तरह से बदल दिया है। वर्ष 2014 से पहले जहां भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे पंजीकृत स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है। इसके अतिरिक्त भारत में ऐसी कंपनियों की संख्या 400 से ज्यादा हो गई है। अभी अंतरिक्ष सेवाएं देने के मामले में भारत अमेरिका, चीन, जापान और ब्रिटेन के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है। अभी पूरी दुनिया की स्पेस इकनॉमी लगभग 30 लाख करोड़ रुपये की है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी 57,431 करोड़ रुपये की है। लेकिन अगले पांच वर्षों में इसमें सालाना 48 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान अप ने अगले एक दशक में 30 हजार सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अब ज्यादातर भारतीय स्टार्ट-अप 'इनोवेशन' पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय स्टार्ट-अप अपनी खुद की रिसर्च (अनुसंधान) और अपने ही देश के काबिल इंजीनियरों के बल पर काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में सबसे काबिल और सस्ते इंजीनियर हमारे इन्हीं स्टार्ट-अप में काम कर रहे हैं। इसलिए दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियां भारतीय स्टार्ट-अप में निवेश करने के लिए लाइन लगाकर खड़ी हैं। पिछले एक साल में भारत के स्टार्ट-अप्स को एक हजार करोड़ रुपये का नया निवेश मिला है, और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। इसका बड़ा कारण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किया गया वह कार्यक्रम मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' भी इसरो के साथ काम करना चाहती है। चंद्रयान-3 पूरी तरह से 'मेड इन इंडिया' है। वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 की विफलता के बाद यह भारत का तीसरा चंद्रयान मिशन है, जिसे आज आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। चंद्रयान-3 में भी उसी लॉन्चिंग व्हीकल का उपयोग किया गया है, जिसका चंद्रयान-2 में किया गया था। इस यान में कई वैज्ञानिक उपकरण हैं, जो चांद की सतह का अध्ययन करेंगे। इस साल मार्च में इस यान के जरूरी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसमें चांद पर लॉन्चिंग के दौरान आ सकने वाली संभावित है बिटे बल प्लेनेट अर्थ' (एसएचएपीई) नामक उपकरण है, और यह लैंडर तथा रोवर को चांद की कक्षा के 100 किलोमीटर तक ले जाएगा। इसके अलावा प्रणोदन मॉड्यूल में वैल्यू एडिशन के रूप में एक वैज्ञानिक उपकरण भी है, जिसे लैंडर मॉड्यूल के अलग होने के बाद संचालित किया जाएगा। लैंडर चांद के निर्दिष्ट स्थल पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता से लैस है, जो अपनी गतिशीलता के दौरान चांद का रासायनिक विश्लेषण करेगा। यदि इस बार चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा की सतह पर उतरने में सफल हो गया, तो भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद ऐसा कीर्तिमान रचने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

पंजिम को 'पोंजी' ही रहने दें, नए रूप के लिए जरूरी लगता है पुराना स्वरूप

यदि गोवा सरकार की वेबसाइट पर भरोसा करें, तो गोवा की राजधानी पणजी की जमीन ऐसी थी कि पानी को सोख लेती थी, जिससे इसे 'पोंजी' कहा जाता था और अपभ्रंश होकर यह पणजी या पंजिम हो गया। इस बार पहली बरसात में ही पंजिम दरिया बन गया। 'वैश्विक राज्य' कहलाने वाले गोवा के लिए यह चेतावनी है कि जलवायु परिवर्तन की मार सबसे अधिक तटीय नगरों पर पड़नी है। विदित हो 14 अक्तूबर, 2015 को यहां स्मार्ट सिटी परियोजना शुरू हुई। इसका बजट कोई 11 सौ करोड़ रुपये है और इसकी आधी राशि खर्च हो चुकी है। यह परियोजना निर्धारित समय सीमा से बहुत पीछे है। बरसात ने बता दिया कि कार्य की या तो गुणवत्ता दोयम है या फिर यह भविष्योन्मुखी नहीं है। पाट्टो पंजिम का सबसे उभरता और महंगा व्यावसायिक केंद्र है। यहां कई बड़े-बड़े दफ्तर हैं, बैंक के मुख्यालय, होटल और मॉल हैं। यहीं राज्य की सबसे बड़ी लाइब्रेरी गोवा स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी (जिसे अब कृष्णदास शर्मा लाइब्रेरी भी कहा जाता है) और संस्कृति केंद्र भी हैं, जिसके ठीक पीछे भारत का दूसरा मैंग्रोव बोर्डवॉक है (पहला अंडमान द्वीप समूह में है)। यह पहला वॉकवे आगंतुकों के लिए क्षेत्र की वनस्पतियों और जीवों के बारे में अधिक जानने और खोजने के लिए है। ओरेम क्रीक के ऊपर स्थित यह 1,100 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और सभी के लिए निःशुल्क है। इस इलाके का नाम पाट्टो इसलिए पड़ा, क्योंकि यह मंडोवी नदी और अरब सागर के बीच बनी एक पतली-सी नहर, जिसे कोरम क्रीक कहते हैं, के पाट अर्थात कचार का मैदान था। इस नमकीन पानी की थरा में आगे नमक बनाने की खदान भी है।

प्लास्टिक का विकल्प बनते बांस के उत्पाद, आमदनी का अच्छा साधन है 'हरा सोना

'भारतीय परिवेश में बांस को 'हरा सोना' कहा गया है, क्योंकि दूसरी फसलों के मुकाबले बांस में आमदनी अच्छी है। बांस का उत्पादन और उससे जुड़ा हस्तनिर्मित शिल्प का रोजगार कुछ मंदा पड़ गया। ज्यादा नहीं, विगत दो दशकों में गति कुछ ज्यादा बढ़ी। बांस-बेंत के हस्तशिल्प उत्पाद सजावटी सामान और हस्तशिल्प का प्रयोग बहुत ज्यादा होने लगा है। उसी को देखकर हिंदुस्तान में फर्नीचर व इको-फ्रेंडली उत्पादक कंपनियां अब किसानों को बांस की कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की राय देने लगी हैं। निश्चित रूप से इस कदम से पर्यावरण की बेहतरी, किसानों का अच्छा मुनाफा व ग्रामीण

आसानी से खोजने से नहीं मिलते। मिलते भी हैं, तो बहुत महंगे? जबकि, एक जमाना ऐसा भी था, जब बांस उत्पादन हिंदुस्तान के कोने-कोने में बड़े पैमाने पर होता था। राज्यों व केंद्र सरकार की उदासीनता ने बांस की खेती को प्रभावित किया। देखते ही देखते बांस की खेती सिमट गई, लेकिन उसे रोकने की कोशिश नहीं की गई। हालांकि चीन के बाद पूरे विश्व में बांस उगाने में भारत अब भी दूसरे नंबर पर है। पर, जितना बांस उगाना चाहिए, उतना उगता नहीं? मौजूदा समय में जितना उत्पादन बांस का होता है, उसका एक तिहाई तो पड़ोसी देशों में ही भेज दिया जाता है। बांस से निर्मित वस्तुओं की ओर लोगों का आकर्षण फिर बढ़ रहा है। दरअसल, दुनिया प्लास्टिक वस्तुओं से तौबा करने लगी है, जिसका विकल्प बांस बन रहा है। इसलिए इसका बाजार अचानक बढ़ा है। लोग प्लास्टिक की जगह बांस के इको-फ्रेंडली उत्पादों को अपनाने लगे हैं। चीन बांस उत्पादन में कई दशकों से अव्वल है, जहां रोजमर्रा के सामान, जैसे-रसोई के बर्तन, फर्नीचर, खिलौने, पेंटिंग, स्वरोजगार के तौर पर 'बांस की खेती' का अच्छा भविष्य दिखने लगा है। संसार में बांस की कुल 1,662 प्रजातियां हैं, जिनमें से 130 उच्च कोटि की प्रजातियां भारत में हैं। मणिपुर और मिजोरम में सबसे अच्छा बांस उगता है। इसके अलावा देश के कुछ मैदानी क्षेत्रों में भी कभी अव्वल दर्जे का बांस उपलब्ध होता था। दूर न जाएं, उत्तर प्रदेश का बरेली जनपद, जिसे 'बांस बरेली' के नाम से जानते हैं, वहां बांस की खेती कभी बड़े स्तर पर होती थी। लेकिन आज वहां बांस का उत्पादन घट गया है। ऐसे और भी बहुतेरे क्षेत्र हैं, जहां बांस की खेती हुआ करती थी। बरेली से सटा जिला है पीलीभीत, वहां की बांसुरी विश्व प्रसिद्ध रही है। हाल ही में बांस उपयोगिता और आधुनिक युग में इसकी जरूरत को लेकर दर्जनों यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने न्यूयॉर्क में एक साथ शोध किया, जिसमें हंगेरियन यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर से संबंध रखने वाले वैज्ञानिक एंजॉय नाथन ने कहा कि बांस के जरिये बायोएथेनॉल, बायोगैस और अन्य बायोएनर्जी उत्पाद भी बन सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

घुंघरू की छन-छन व भोले की जयकार से गुंजायमान हरिद्वार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अतिथि देवो भवः को साकार कर रही कांवड़ मेला यात्रा। कांवड़ मेले के तीसरे दिन भी कांवड़ यात्रियों के आने और जाने का क्रम और संख्या बना रहा। पैरों में घुंघरू बांधे भोले की जय-जयकार करते केसरिया धारण किए शिवभक्तों की टोली लोगों में आस्था और विश्वास का संचार कर रही है। मौसम कांवड़ यात्रियों के साथ लुका-छिपी का साथ दे रहा है। अब तक श्रावण मास में यात्रा के हर दिन वर्षा हुई और धूप भी खिली। यह स्थिति कांवड़

यात्रियों के लिए सुखप्रद है। धर्मनगरी हरिद्वार कांवड़ मेला और शिवभक्तों के रंग में रंग चुकी है। विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक यात्रा में शुमार कांवड़ मेला यात्रा आस्था और विश्वास का ऐसा पर्व है, जिसमें रंगने को हर कोई आतुर रहता है। यह भारतीय जीवन-दर्शन अतिथि देवो भवः को प्रत्यक्ष चरितार्थ-साकार करता है। यह धर्म-संस्कृति की ऐसी किताब है, जिसका हर अध्याय सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः का पाठ पढ़ाता है। धर्म-अध्यात्म के साथ-साथ इस मेले में सामाजिक सरोकार भी समाहित है। तकरीबन 13 दिनों तक चलने वाली इस धार्मिक यात्रा में कांवड़ यात्रियों को कुछ परेशानी भी उठानी पड़ती है पर, किसी को भी भूखे पेट नहीं रहना पड़ता है। कांवड़ यात्रियों की सेवा को हरिद्वार से लेकर उनके गंतव्य तक के पूरे रास्ते पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों की ओर से निश्शुल्क भंडारे, विश्राम और जलसेवा का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। कांवड़ मेले में जगह-जगह निश्शुल्क खानपान, चिकित्सा शिविर सहित विश्रामालय लगाए जाते हैं। इनमें कांवड़ यात्रियों का आदर-सम्मान किया जाता है।कांवड़ मेले में आश्रमों की ओर से भंडारों की व्यवस्था तो होती ही है। इसके अलावा शहर के तमाम सामाजिक संगठनों की ओर से भी बड़े पैमाने पर यह व्यवस्था की जाती है। शहर से लेकर देहात तक भंडारे का आयोजन शुरू हो गया है, जो पूरे श्रावण मास तक चलेगा। इन भंडारों में कांवड़ यात्री तो भोजन करते ही हैं।

ईडी के दायरे में जीएसटी से जुड़े मामले लाने के निर्णय के विरोध में सपा नोएडा ने सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा) .

नोएडा। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा नोएडा महानगर इकाई द्वारा व्यापारियों से संबंधित समस्याओं व जीएसटी को पी एम एल ए के

अंतर्गत ईडी के अंतर्गत लाने के विरोध में महामहिम राष्ट्रपति को एक ज्ञापन द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट दिया गया, महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि जीएसटी को पीएमएलए के अधीन लाने से ईडी को किसी भी व्यापारी को गिरफ़्तार करने का अधिकार प्राप्त हो जाएगा। उे की जिस तरह की पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली का इतिहास और चरित्र रहा है, उसे देखते हुए, यह तुग़लकी फ़रमान, देश के करोड़ों व्यापारियों को भयंकर परेशानी में डाल सकता है।व्यापार सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बंसल ने कहा कि जिस प्रकार वर्तमान सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से अब यह साफ हो गया है कि जीएसटी से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सीधा दखल दे सकेगी ईडी जीएसटी करापवंचन करने वाले फार्म व्यापारी या संस्था के खिलाफ सीधे कार्रवाई कर सकती है जिसके तहत सरकार या सार्वजनिक प्राधिकरण को व्यापारियों द्वारा गैरकानूनी तरीके से कमाए गए धन और संपत्ति को ज़ब्त करने का अधिकार दिया गया है जो कि सरासर गलत है इस व्यापारी विरोधी फैसले का समाजवादी पार्टी कड़ी शब्दों में निंदा और विरोध करती है महासचिव विकास यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा व्यापारियों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है और किसी भी कीमत पर व्यापारियों का शोषण नहीं करने दिया जाएगा, शामिल मुख्य लोगों में देवेंद्र अवाना,बबलू चौहान, शिव कुमार यादव, मोहम्मद नौशाद ,शकील सैफी , नरेंद्र शर्मा , संजय त्यागी,सतवीर गौतम, सुशीला भारती, रेणुका मैथी,मुकेश प्रधान, मनोज गोयल, विपिन अग्रवाल , गौरव कुमार यादव, विनोद यादव, वीरपाल अवाना, महकार सिंह तवर ,सोनू त्यागी, मनीष गोयल, रिंकू शाहजी, लखन यादव, अनिल पंडित, विवेक यादव, अरविंद चौहान, मुन्ना आलम, अरुण यादव,मुमताज आलम, प्रवीण शर्मा, सौरभ चौहान, बिल्लू सैफी, अजीम अली जैदी, उदय सिंह जाटव, कमल गौतम, किरणपाल भुरा ,बिंदर यादव देवाशीष बोस , रोहित , अकाश, राणा मुखर्जी, सोनू शर्मा ,लोकपाल यादव, रामवीर यादव, सोनू जाट, वीरेंद्र सिंह यादव , सुरेंद्र कुमार, लोकेश यादव, शेखर यादव, मोहम्मद दानिश ,लोकेश चौधरी, नफीस संदीप सिंह, अशरफ , मुख्य रूप से मौजूद रहे।

श्रीबालाजी धाम में यमुना के बाढ का पानी घुसा

(आधुनिक समाचार सेवा) .

नोएडा। यमुना में आई बाढ के कारण यमुना किनारे वजीत पुर में स्थित बाला जी धाम में भी पानी घुस गया है। मंदिर पर दर्जनों सेवक पर है। आस पास फार्म हाउस में काम करने वाले मजदूरों के बच्चे भी इसमें फंसे हुए हैं। मंदिर के बाहर 6 फीट से ज्यादा पानी भरा है। एक ट्रैक्टर मदद के लिए भेजा

भगवान की पूजा आरती एवं गौ सेवा हेतु रहते हैं। जो बाढ के कारण फंसे हुए हैं मंदिर के भीतर पानी लबालव भरा हुआ है पुजारी समेत सभी लोगों ने मंदिर की छत पर शरण ले रखी है।खाने पीने कि कोई व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी हैं जबकि मंदिर ऊंचाई गया लेकिन वह भी ज्यादा पानी होने के कारण फंस गया। मंदिर के महन्त मुकेशानंद महाराज ने शासन प्रशासन से अनुरोध किया है कि सभी को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। सभी लोग मंदिर की छत पर शरण लिए हुए हैं।

मैहर देहात छेत्र करतहा में बने गौशाला की हालत जर्जर

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। ग्राम पंचायत करतहा में बने गौशाला की हालत जर्जर पंचायत सरपंच द्वारा शिकायत पर नही होती कोई सुनवाई, गौशाला में गौ माताओ को पानी पीने की व्यवस्था नही जब काटने की मशीन स्थल की टीन शेड भी नही लगाया गया इन सबका पैसा पूर्व के जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने डकार लिया है और करीब 27 लाख की लागत वाली गौशाला सरकारी तंत्र की

से गौशाला का निर्माण हुआ है घटिया निर्माण की भेंट चढ़ गया गौशाला में पानी की बोर तो है लेकिन स्टॉक करने की बनाई गई टँकीया टूट फुट गई है जिस कारण जब पानी पिलाने की जरूरत पड़ने पर बोर को लगातार चलना पड़ता है गौचरन की जमीन को बंधेज नही किया गया, गोबर के स्टॉक के लिए टैंक नही बनाया गया, चारा काटने की मशीन नही लगाई गई साथ ही चारा लालच के शिकार हुई है करीब एक वर्ष हो चुके इस नई सरपंची की तब से केवल करतहा सरपंच शुखमनीलाल कुशवाहा शिकवा शिकायत ही कर रहे है कोई सुनने वाला नही सभी शासकीय दरबाजो पर दस्तक देकर मैं थक चुका हु? बात समझने वाली है कि एक जनप्रतिनिधि जब इस तरह इस सरकारी तंत्र से त्रस्त है तो आम आदमी का क्या होता होगा।

मैहर अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ सरपंच ने खोला मोर्चा उठाया शिक्षा नीति पर सवाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। के शारदा नगर में स्थित शारदा विद्या निकेतन स्कूल में बीपीएल धारक जो स्थानीय लोग हैं उनको शिक्षा नीति के तहत फीस पर छूट दी जाती थी जिसकी वजह जा रही है जिससे परेशान होकर अब स्थानीय लोगों के द्वारा विरोध जताया गया है और इस पूरे मामले की शिकायत जिले के मुखिया से करने की बात कही गई है अल्ट्राटेक के द्वारा सेवा ट्रस्ट के नाम पर लोगों

से स्थानीय लोग अपने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पा रहे थे लेकिन अब शारदा विद्या निकेतन के मनमानी रवैया की वजह से स्थानीय लोग परेशान हो रहे हैं और बीपीएल धारकों को अब एक बड़ी रकम स्कूल फीस के नाम से चुकानी पढ़ रही है जिसका विरोध स्थानीय लोगों ने किया है वहीं एक ही डाइस कोड की मार्कशीट पहले भी दी जाती थी और अब स्कूल प्रबंधक के द्वारा डाइस कोड चेंज होने की बात कही को मुवाईया करवाई जाने वाली सुविधाओं के नाम पर भी की जा रही कमाई अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के द्वारा सीएसआर के तहत सेवा ट्रस्ट के नाम पर लोगों को सुविधा उपलब्ध कराए जाने का दावा किया जा रहा है लेकिन इसके बावजूद भी सेवा ट्रस्ट से मिलने वाली सुविधाओं के नाम पर भी मोटी कमाई करने का कारण नाटक सीमेंट प्लांट के द्वारा किया जा रहा है और जिससे स्थानीय जनता त्रस्त हो चुकी है डेल्हा सरपंच अभिषेक जायसवाल के द्वारा भी इस पूरे मामले का विरोध जताया गया है और प्रबंधक के द्वारा किए जा रहे इस मनमानी रवैया का विरोध करते हुए स्थानीय लोगों की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने की मांग की जा रही है एक तरफ जहां कंपनी के द्वारा प्लांट चला गया आसपास के गांवों को गोद में लेने की बात कही जा रही है जो किसी आसार मत के तहत स्वास्थ्य शिक्षा पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा किया जा रहा है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है जहां पर बीपीएल धारकों को भी अब एक मोटी रकम चुकाने की बात कही जा रही है जिससे कि बीपीएल धारक और छात्र भी परेशान हो रहे हैं और परेशान होने के साथ-साथ एडमिशन करवाने में भी परेशानी हो रही है इसका अब विरोध स्थानीय लोगों के द्वारा करना शुरू किया जा चुका है और आगामी दिनों पर इसे विकराल रूप में देने की बात भी कही जा रही है आखिर क्या वजह है कि स्कूल प्रबंधक के द्वारा एक ही डाइस कोड पर पड़ने वाले छात्र को पिछले कई वर्षों से निशुल्क पढ़ाया जा रहा था और आप उसे पढ़ाने से मना किया जा रहा है बल्कि उससे मोटी फीस मांगी जा रही है सरकार के मंसूबों को चकनाचूर करने का काम कर रही अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट जहां मध्यप्रदेश में एक और सरकार के द्वारा लोगों को शिक्षित करने का काम किया जा रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए लोगों को प्रेरित करने का काम भी किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के द्वारा शिक्षा के नाम पर ही लोगों को लूटने का काम किया जा रहा है अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के आसपास रहने वाले गरीब तखे के लोगों को शिक्षा के नाम पर एक मोटी रकम अदा करनी पड़ती जिसकी वजह से कहीं ना कहीं लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन उनकी सुनने वाला कोई जिम्मेदार इस और कभी देखने तक नहीं आया ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मैहर दौरे को लेकर हेलीपैड का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। मैहर में 25 जुलाई के सीएम के कार्यक्रम को लेकर मैहर एसडीएम सुरेश जादव, तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल, नगर पालिका सीएमओ रवि गुप्ता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी ने हेलीपैड पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया व हेलीपैड के आसपास हुए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए।

भोपाल सुसाइड कांड की डेड बॉडी को उनके परिजनों ने रीवा नेशनल हाईवे पर रखा

दो बच्चों को जहर देकर पति-पत्नी ने किया सुसाइड

(आधुनिक समाचार सेवा)

भोपाल । में ऑनलाइन फ्रॉड एप के जाल में फंसे एक दंपती ने अपने दो बेटों को जहर देकर मार डाला, फिर सुसाइड कर लिया। तत्पश्चात उनके परिजनों ने बॉडी खुला करके रीवा हप्-30 पर रखकर प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार गुरुवार जब उन्हें दोनों बच्चों की मौत होने की पुष्टि हो गई, तो भूपेंद्र ने दो दुपट्?टे को आपस में बांधकर फंदा बनाया और एक साथ फांसी लगाकर जान दे दी। नरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि भूपेंद्र के घर से छह पैकेट सल्फास के मिले हैं। भूपेंद्र विश्वकर्मा ने गुरुवार तड़के 4 बजे दो तीन दिन पहले हमारी बात हुई। वे परेशान हो चुके थे। उनसे 17 लाख की डिमांड की गई। कहते थे कि इतने पैसे कहा से दूंगा। भैया ने बताया था कि उनके तीनों बैंक अकाउंट खाली कर दिए। पूरा पैसा निकाल लिया। 7-8 जुलाई को साइबर सेल में शिकायत करने गए अप्रैल के माह में मुझे मेरे फोन पर एक ऑनलाइन काम से वॉट्सऐप पर मैसेज आया। फिर टेलीग्राम पर पुनः ऑफर आया। थोड़े से पैसे एक्स्ट्रा के चलते में और जरूरत के लिए एक्स्ट्रा वर्क करने के लिए एग्री हो गया। जिसके लिए ज्यादा समय भी नहीं देना था, तो मैंने शुरू कर दिया। जिसमें मुझे शुरू में थोड़ा फायदा तो हुआ पर धीरे-धीरे एक दलदल में धंसने लगा और थोड़ा सा भी समय मिलता तो मैं उस काम को करने लगता था, लेकिन काम का लोड इतना ज्यादा हुआ कि मैं अपने काम के साथ इस काम में लगे पैसों का हिसाब नहीं बना पाया। इन पैसों का उपयोग भी घर पर नहीं कर पाया था। उसके पहले ही मुझ पर काम का दबाव ज्यादा आने लगा। जब मेरे पास पूरे पैसे खत्म हो गए तो कंपनी वालों ने लोन और अग्रीमेंट का कहने लगे। मैंने मना किया, क्योंकि मेरा सिबिल खराब था। कंपनी वालों के कहने पर ट्राय किया तो तुरंत लोन मिलता चला गया जो कि कंपनी में पानी की तरह लगाता रहा ऑनलाइन जॉब का शिकार होने के बाद मुझे लगा अब थोड़ा सा और, इसके बाद पैसे मिलते ही मैं सब का लोन क्लियर कर ये सब छोड़ दूंगा। लेकिन, मैं समझ नहीं पाया कि इतना सब कुछ हो जाएगा। मुझ पर ऑनलाइन जॉब वालों ने लोन का कर्ज इतना कर दिया कि मैं खुद भी हैरान होता चला गया। मैं समझ गया कि मेरे साथ फ्रॉड हुआ है। इसकी समस्त जानकारी देने साइबर क्राइम ऑफिस गया, पर वहां पर अधिकारी न होने के कारण और अवकाश के चलते टल गया।

को दंपती के शव घर में फांसी के फंदे पर लटके मिले। दोनों बेटों को जहर देने की आशंका है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें कर्ज का जिक्र है। रातीबड़ की शिव विहार कॉलोनी में रहने वाले भूपेंद्र विश्वकर्मा (38) कोलंबिया बेस्ड एक कंपनी में ऑनलाइन जॉब करते थे। भूपेंद्र पर काम का प्रेशर और लोन था। कंपनी ने उनका लैपटॉप हैक कर उसमें मिले कॉन्टेक्ट पर अश्लील वीडियो वायरल कर दिए थे। इससे परेशान भूपेंद्र ने अपनी पत्नी रितु (35) के साथ सुसाइड कर लिया। इससे पहले दो बेटों ऋतुराज (3) और ऋषिराज (9) को जहर दिया। भूपेंद्र के बड़े भाई नरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि उसने दोनों बच्चों और पत्नी के साथ देर रात सेल्फी कैप्चर की थी। कोल्ड ड्रिंक (माजा) में सल्फास मिलाकर दोनों बच्चों को पिला दिया। इसके बाद भूपेंद्र और उसकी पत्नी रितु, बच्चों के पास ही बैठे रहे। अपनी भतीजी रिंकी विश्वकर्मा को वॉट्सऐप पर सुसाइड नोट भेजा था। साथ ही पत्नी और दोनों बच्चों के साथ सेल्फी खींचकर भी भेजी। इस फोटो का कैप्शन लिखा- यह मेरी आखिरी फोटो है। आज के बाद हम कभी नहीं दिखेंगे। इन फोटो और सुसाइड नोट को रिंकी ने सुबह 6 बजे देखा और परिजनों को सूचना दी। रिंकी, मंडीदीप स्थित एक धागा फैक्टरी में काम करती है। पंकज विश्वकर्मा ने बताया, भूपेंद्र बड़े पिता के बेटे थे। उनके साथ साइबर क्राइम हुआ है। उनका मोबाइल और कंपनी से मिला लैपटॉप हैक कर लिया गया। मोबाइल में उनके जितने भी कॉन्टैक्ट नंबर थे, उन पर उनके अश्लील वीडियो और फोटो वायरल कर दिए गए थे। धमकी देकर पैसों की डिमांड कर रहे थे। भैया ने 4 से 5 दिन पहले वॉट्सऐप स्टेटस भी डाला था कि मेरे द्वारा ये मैसेज नहीं किया जा रहा है। आप इसे इग्नोर करें। थे। साइबर सेल की ओर से उनका सिम और मोबाइल भी शायद एक्सचेंज करा दिया गया था। भूपेंद्र की चाची लीला विश्वकर्मा ने बताया, किसी को कुछ पता नहीं था। कल बहू ने मुझे बताया था कि कोई 17 लाख रुपए मांग रहा है। कह रहा है नहीं दिए तो घर बर्बाद कर देंगे। बहुत खुशहाल परिवार था। बड़ा बेटा ऋतुराज नीलबड़ स्थित शारदा विद्या मंदिर स्कूल में कक्षा तीसरी में पढ़ता था। छोटा बेटा ऋषिराज की स्कूलिंग अभी शुरू नहीं हुई थी। पढ़े सुसाइड नोट में किया लिखा समझ में नहीं आ रहा क्या करें और क्या न करें, नहीं पता हमारे इतनी सी छोटी सी प्यारी सी फेमिली को किसकी नजर लग गई है। हमारे परिवार के लोगों से हम सबसे हाथ जोड़कर माफी मांगना चाहते हैं। हमसे जुड़े सभी लोग मेरे कारण काफी ज्यादा परेशान हो गए। मेरी एक गलती की वजह से। हम अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी जी रहे थे, लेकिन

15 जुलाई को नई दिल्ली मे शिया धर्मगुरूओं की बैठक मे शिया समूदाय जनसंख्या के अनुपात में अपना हिस्सा मांगेगा

(आधुनिक समाचार सेवा) .

नोएडा। मीडिया क्लब नोएडा में शिया चाँद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैय्यद सैफ अब्बास नकवी

व मौलाना इमाम हैदर जैदी वा मौलाना अली हैदर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 75 साल से हर राजनीतिक दल ने मुसलमानों का शोषण किया है. चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और सरकार बनने के बाद सभी वादों की अनदेखी की जाती है जैसा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट से पता चला है।हर सरकार ने हमेशा मुसलमानों को अशैक्षिक और आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की है। लेकिन अब हम सभी को जागना होगा जब देश में 2ः, 4ः, 5ः वाले समूदाय का प्रतिनिधित्व है, तो शिया समूदाय, जो अल्पसंख्यक में अल्पसंख्यक है, और मुसलमानों से लेकर कन्याकुमारी तक देखा जा सकता है, किसी भी प्रदेश या केंद्र में शिया प्रतिनिधित्व नहीं है। इसलिए शिया समूदाय जनसंख्या के अनुपात में अपना हिस्सा मांगेगा। इस संबंध में 15 जुलाई 2023 को नई दिल्ली इमामिया हाल पंचकुइयां रोड में शिया धर्मगुरूओं का एक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों के धर्मगुरू की उपस्थिति के लिए स्वीकृत प्राप्त हुई है इस बैठक में कामन सिविल कोड के मुददे के अलावा अन्य मुददों पर धर्मगुरूओं से चर्चा करके 2023 में प्रदेशों के चुनाव और 2024 में होने वाले केंद्रीय चुनाव के लिए अपनी मांगों को राजनीतिक दलों के समक्ष रखेंगे। मे लगभग 15 से 20ः यानी 30 करोड़ मुसलमानों मे 5 से 6 करोड़ शिया हैं। शिया समूदाय हर क्षेत्र में पिछड़ता जा रहा है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देखा

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा) .

नोएडा। नोएडा भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन ग्राम शाहदरा सेक्टर-142 में ग्रुप 108 भूटानी बिल्डर के खिलाफ चल रहा है धरने को 8 दिन हो गए लेकिन आज तक प्रशासन ने किसानों की कोई सुध नही ली जिससे प्रशासन के खिलाफ कर बिल्डरों को किसानों की जमीन दे दी गई किसानो को किसानी से वंचित कर दिए अधिग्रहण करते समय किसानों सें किये गए वादे फिस हो गए किसानो की पुरानी आबादियों को भी तोड़कर किसानों को बर्बाद करना चहाती है बलराज भाटी ने कहा कि पहले गांव की आबादी कम थी आज परिवार बढ गये है तो किसान अपनी जमीन

किसानों मै रोष व्याप्त है।ज्ञात हो कि ग्राम शाहदरा के किसान जगत सिंह की 4 बीघा जमीन पर भूटानी बिल्डर ने अवैध कब्जा कर रखा है जबकि किसान द्वारा उसकी जमीन का आज तक कोई मुआवजा नहीं उठाया गया है और किसान की जमीन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी स्टे दे रखा है ! राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी जी ने कहा है भूटानी बिल्डर द्वारा किसान की जमीन पर कब्जा प्राधिकरण की मिलीभगत से किया गया है, भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने प्रेष वार्ता कर बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने विकास के नाम से अरजेसीं क्लोज लगाकर किसानों की जमीनों को अधिग्रहण कर भारी मुनाफा हासिल पर मकान दुकान बनाते है तो वे अवैध हो जाते है जबकि जमीन किसान की और जबरदस्ती सरकार और प्राधिकरण की यदि किसान अपनी समस्याओ की आवाज उठाते है तो प्रशासन आवाज को डरा धमका कर दबाने का काम करता है लेकिन भारतीय किसान यूनियन (बलराज) किसानों की आवाज को दबने नही देगी बलराज भाटी ने प्रेस वार्ता कर ऐलान किया है कि शहदरा सैक्टर 142 मै चल रहा अनिश्चितकालीन किसानों का धरना ऐतिहासिक धरना होगा जिसमें देश के ढाई सौ संगठन हिस्सा लेगें जो एम एस पी गारन्टी किसान मोर्चा मिलकर बना था जिसका हिस्सा भारतीय किसान यूनियन बलराज है।

थमी कार्तिक-कियारा की फिल्म की कमाई 100 करोड़ क्लब से है बस इतनी दूर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म सत्यप्रेम की कथा 100 करोड़ क्लब में एंट्री पाने के लिए पूरी कोशिश कर चुकी है। हालांकि, अब सत्यप्रेम की कथा के कलेक्शन की रफ्तार धीरे-धीरे घटने लग गई है। हाल ही में हॉलीवुड की मच अवेडेट फिल्म मिशन इम्पॉसिबल 7 रिलीज हुई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने लगभग 1.30 करोड़ का नेट बिजनेस किया है। हालांकि, ये अभी शुरुआती आंकड़ें है, इनमें फेरबदल हो सकती है। सत्यप्रेम की कथा ने

कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग ली थी, जो कार्तिक आर्यन के लिए बेहद जरूरी था, क्योंकि उनकी पिछली रिलीज फिल्म शहजादा बुरी तरह पिट गई थी। सत्यप्रेम की कथा ने कार्तिक आर्यन और मेकर्स की उम्मीद नहीं तोड़ी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक ठीक-ठाक कमाई कर ली है। सत्यप्रेम की कथा को रिलीज हुए अब 15 दिन हो चुके हैं और फिल्म 70 करोड़ से ज्यादा की कमाई है, जो सत्यप्रेम की कथा के बिजनेस पर असर डाल रही है। फिर भी फिल्म के कलेक्शन में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं आई है। सत्यप्रेम की कथा के इस हफ्ते के बिजनेस की बात करें तो फिल्म ने सोमवार (10 जुलाई) 2 करोड़, मंगलवार (11 जुलाई) को 2.1 करोड़ और बुधवार (13 जुलाई) को 1.30 करोड़ का नटे कलेक्शन किया। अब सत्यप्रेम की कथा के गुरुवार (14 जुलाई) के बिजनेस की बात करें तो ऍम्हग्त्व् 14 जुलाई के कलेक्शन के साथ ही अब तक 72.76 करोड़ का टोटल नेट बिजनेस कर लिया है। सत्यप्रेम की कथा की बात करें तो फिल्म का डायरेक्शन समीर विद्वांस ने किया हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के साथ सुप्रिया पाठक कपूर, गजराज राव, सिद्धार्थ रंदेरिया, अनुराधा पटेल, राजपाल यादव, निर्मित सावंत और शिखा तल्सानिया भी अहम किरदारों में हैं।

दूसरे दिन ही घटा टॉम क्रूज की फिल्म का कलेक्शन, एम आई 7 ने कमाए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टॉम क्रूज की एक्शन और थ्रिलर से भरपूर फिल्म मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन मैक्वेरी के डायरेक्शन में बनी मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन में खतरनाक स्टंट्स और सस्पेंस देखने को मिल रहा है। ये

थिएटर्स में अपना जादू चला रही है। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की। वहीं, दूसरे दिन कलेक्शन में कुछ गिरावट आई, लेकिन मिशन इम्पॉसिबल 7 फिर भी ठीक-ठाक बिजनेस कर ले गई। क्रिस्टोफर मिशन इम्पॉसिबल सीरीज की सातवीं फिल्म है, जिसमें टॉम क्रूज को सांस रोक देने वाले स्टंट करते हुए नजर आ रहे हैं। मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन को 12 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज किया गया है। भारत में फिल्म को कई अलग- अलग भाषाओं में रिलीज किया है। ओपनिंग डे पर मिशन इम्पॉसिबल 7 बेहतरीन शुरुआत की मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन ने पहले दिन भारत में 12.50 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ ओपनिंग की। वहीं, दूसरे दिन की बात करें तो ऍम्हग्त्व् की रिपोर्ट के अनुसार, कलेक्शन में थोड़ी कमी आई है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, मिशन इम्पॉसिबल 7 ने गुरुवार को लगभग 9 करोड़ का नेट बिजनेस किया है। इसके साथ ही मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों में 21.30 करोड़ का टोटल नेट कलेक्शन कर लिया है। मिशनः इम्पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन में टॉम क्रूज के साथ हेले एटवेल भी शामिल हैं, जो जबरदस्त एक्शन कर फैंस के होश उड़ा रही हैं। इनके अलावा फिल्म में पोम क्लेमेंटिएफ, विंग रेम्स, साइमन पेग, रेबेका फर्ग्यूसन, वैनेसा किर्बी और हेनरी कजर्नी भी शामिल हैं।

एल्विश-आशिका के बाद होने जा रही है एक और वाइल्ड कार्ड एंट्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में एक बार फिर से तहलका मचा है। वाइल्ड कार्ड एंट्री और फेमस यूट्यूबर एल्विश यादव ने शो में आते ही घर के सदस्यों को रोस्ट करना शुरू कर दिया है। पांच सदस्यों के एलिमिनेट होने के बाद टोटल आठ सेलिब्रिटीज कंटेस्टेंट सलमान खान के शो में बचे हुए थे, लेकिन अब दो और कंटेस्टेंट के आने से बिग बॉस में कंटेस्टेंट्स का कॉम्पटीशन बढ़ गया है।एल्विश यादव और आशिका भाटिया के बाद अब रिपोर्ट्स की मानें तो एक और एक्ट्रेस शो में जल्द ही बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने जा रही हैं। जिनके आने के बाद घरवालों की नाक में और भी दम होने वाला है।बिग बॉस खबरी के इंस्टाग्राम पेज पर हाल ही में ये जानकारी शेयर की गई कि एल्विश यादव और आशिका भाटिया के बाद अब स्नेहिल दीक्षित सलमान खान के शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर पर नजर आ सकती हैं। आपको बता दें कि स्नेहिल पेशे से एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर, राइटर और क्रिएटिव डायरेक्टर भी हैं।स्नेहिल दीक्षित

सोशल मीडिया पर 'बीसी आंटी' के नाम से भी मशहूर हैं। इतना ही नहीं वह बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट रहे सिद्धार्थ शुक्ला के शो की राइटर भी रह चुकी हैं। उनके वीडियो लोगों ने काफी पसंद किया। हालांकि, उनके बिग बॉस ओटीटी 2 में आने की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।सलमान खान के शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 को एक्सटेंशन मिल गया है। ये शो पहले डेढ़ महीने चलने वाला था। हालांकि, जिस तरह से मेकर्स एक के बाद एक कंटेस्टेंट को घर से बेघर कर रहे थे, उसे देखते हुए फैंस ये अंदाजा लगा रहे थे कि ये शो 1 महीने में ही रैपअप हो जाएगा, लेकिन फिर बीते वीकेंड के वार में खुद सलमान खान ने शो के एक्सटेंट होने की घोषणा की।

प्राइम वीडियो के शो जैक रायन का शुक्रवार को फिनाले स्पाइ माइक बोले- 'दोस्ती के नाते की सीरीज'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एक्शन थ्रिलर का पर्याय बन चुकी सीरीज जैक रायन का अमेजन प्राइम वीडियो पर फाइनल सीजन चल रहा है। इस उनकी पसंदीदा सीरीज खत्म होने जा रही है। फैन्स के अलावा खुद कलाकार भी दुखी हैं। वे सालों से एक-दूसरे के साथ काम कर रहे थे, लेकिन अब अलविदा कहने का हैं। माइकल केली ने इससे पहले पॉलिटिकल थ्रिलर सीरीज 'हाउस ऑफ कार्ड्स' में भी काम किया था। इस सीरीज में उन्होंने मुख्य किरदार फ्रांसिस अंडरवुड के खास आदमी

सीरीज के चार एपिसोड रिलीज हो चुके हैं, जो दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी पसंद आए हैं। अब फैन्स को इसके आखिरी एपिसोड का इंतजार है, जो शुक्रवार 14 जुलाई को रिलीज होगा। सबको इंतजार है कि सीरीज के फाइनल सीजन की एंडिंग कैसी होगा जैक रायन का चौथा सीजन चल रहा है। सीरीज के किरदारों के साथ फैन्स का एक रिश्ता बन गया था, लिहाजा कुछ लोग मायूस हैं कि समय आ गया है। शो में जासूस माइक का किरदार निभाने वाले माइकल केली ने अपने को-एक्टर्स के प्रति आभार व्यक्त किया। केली ने कहा- केली ने आगे कहा कि हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और सेट पर हम हर दिन एन्जॉय करते थे। मेरे लिए ये यादगार पल थे। सबसे खतरनाक सीन्स करने के बावजूद हमारे पास हमेशा जोर-जोर से हंसने का समय होता था। मैंने उनके साथ खट्टी-मीठी यादें बुनी डॉग स्टेम्पर का रोल किया था। केली ने यह किरदार निभाकर भी खूब सारी तारीफे बटोरी थीं। गौरतलब है कि टॉम क्लैन्सीज जैक रायन का हर सीजन एक्शन से भरपूर है। इसके पहले सीजन की शुरुआत अगस्त 2018 में अमेजन प्राइम पर हुई थी। करीब पांच साल के अंतराल में इस सीरीज के चार सीजन आ गए। चौथा और फाइनल सीजन 30 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुआ था।

स्कैम1992 के निर्देशक हंसल मेहता को हुआ पेट का संक्रमण

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वेब सीरीज स्कैम1992 का निर्देशन करने वाले हंसल मेहता

पेट के संक्रमण का शिकार हो गए हैं। उन्होंने ट्विटर पर इस बात की जानकारी दी है। खास बात यह है कि उन्होंने महाराष्ट्र की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपनी भड़ास भी निकाली है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार उन्हें पीने के लिए साफ पानी मुहैया नहीं करा पा रही है। गुरुवार की सुबह हंसल मेहता ने एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने पेट में संक्रमण होने की जानकारी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा मुंबई का पानी पीने के कारण हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की सरकार स्वच्छ पानी पीने के लिए मुहैया कराने में नाकाम है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टर के पास प्रतिदिन इस प्रकार के कई मामले आ रहे हैं। हंसल मेहता ने ट्विटर पर लिखा है, इसके बाद उन्होंने इसे महाराष्ट्र के बड़े नेताओं को टैग किया है। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी है कि उनके एक परिचित भी इसी प्रकार के संक्रमण से पीड़ित है। हंसल मेहता की हाल ही में स्कूप रिलीज हुई थी। उनकी आगामी फिल्म द बकिंघम पैलेस है। जो इस वर्ष के अंत तक रिलीज हो सकती है।

सुचित्रा कृष्णमूर्ति भी हो चुकी हैं कास्टिंग काउच का शिकार, निर्माता ने साथ रात बिताने का दिया था ऑफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।फिल्म 'कभी हां, कभी ना' में नजर आई सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने जानकारी दी है कि वह भी कास्टिंग काउच का शिकार हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि वह इससे कैसे निपटी थी। एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच से जुड़े वाकये को याद किया है। उन्होंने सिद्धार्थ कनन को एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने विस्तार से इसपर चर्चा की है। वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी है। अपने अनुभव को याद करते हुए सुचित्रा कृष्णमूर्ति कहती है कि एक बार एक फिल्म निर्माता और निर्देशक जो उनसे पूछ लिया था कि वह अपनी मां या पिता किसके ज्यादा करीब है और क्या वह उनके साथ होटल में रात गुजार सकती है। इस बारे में बताते हुए सुचित्रा कृष्णमूर्ति कहती है, सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने आगे कहा कि निर्माता की बात सुनकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। वह कहती है अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उन दिनों यह आम बात थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब फिल्म इंडस्ट्री में कुछ अच्छे बदलाव हुए हैं।

मोनिका बेदी को राकेश रोशन का विजिटिंग कार्ड फाड़ना पड़ा था भारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।मोनिका बेदी फिल्म एक्ट्रेस है और उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि अब, अबू सलेम से शादी को लेकर वह काफी सुर्खियों में रही और उन्हें अब फिल्मों से दूर ही रहना पड़ रहा है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि उन्हें करण-अर्जुन फिल्म में काम करने का मौका मिला था और वह सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आ सकती थी लेकिन उनकी खुद की गलतियों के कारण उन्हें इससे हाथ धोना पड़ा। मोनिका बेदी ने इस पर खुलकर चर्चा की है। गौरतलब है कि करण-अर्जुन में शाह रुख खान और सलमान खान की अहम भूमिका थी। यह फिल्म दर्शकों को

काफी पसंद आई थी। फिल्म में दोनों ने भाईयों की भूमिका निभाई थी। अब मोनिका बेदी ने सिद्धार्थ कनन को एक इंटरव्यू दिया है जो कि उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया है। इसमें मोनिका बेदी ने जानकारी दी है कि किस प्रकार वह राकेश रोशन के साथ इस फिल्म में काम करने से चूक गई। मोनिका बेदी इस बारे में बताते हुए कहती हैं, मोनिका बेदी आगे कहती है कि उन्हें पता नहीं होने के कारण वह सोच में पड़ गई कि राकेश रोशन ने उन्हें अपना कार्ड देकर मिलने के लिए क्यों कहा है। इसके चलते, उन्होंने कार्ड फाड़कर फेंक दिया। मोनिका ने आगे कहा, गौरतलब है कि सलमान खान के साथ फिल्म में ममता कुलकर्णी नजर आई थी।

जाह्नवी कपूर ने स्लीवलेस वन पीस ड्रेस में कराया बोल्ड फोटोशूट, रुमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का आया 'दिल'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर जल्द फिल्म बवाल में नजर आने वाली है। अब फिल्म एक्ट्रेस ने सोशल बाल खुले हुए हैं और उन्होंने तीन अलग-अलग अंदाज में पोज दिया है। जाह्नवी कपूर की फोटोज इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है।

मीडिया पर फिल्म के प्रमोशन के बीच समय निकालकर तीन तस्वीरें शेयर की है। इसमें उन्हें ब्लैक कलर की डीप नेक वन पीस ड्रेस पहनकर पोज देते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने ब्लैक कलर की हाई हील्स भी पहन रखी है। उनके कई लोगों ने इस पर मजेदार कमेंट भी दिया है। इस बीच उनके रुमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ने भी कमेंट किया है। दोनों इस वर्ष अप्रैल में तिरुपति मंदिर में दर्शन करने भी पहुंचे थे। जाह्नवी कपूर की बोल्ड तस्वीरों पर शिखर ने दिल की इमोजी शेयर की है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब शिखर पहाड़िया ने जाह्नवी की तस्वीरों पर कमेंट किया है। इसके पहले, भी वह कमेंट करते रहे हैं।जाह्नवी कपूर की तस्वीरों पर कई कलाकारों ने भी प्रतिक्रिया दी है। इसमें मनीष मल्होत्रा भी शामिल है। एक्ट्रेस की तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर 6 लाख के करीब लाइक्स मिले हैं। वहीं, इस पर 26 सौ से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। कई लोगों ने जाह्नवी कपूर की खूबसूरती की प्रशंसा की है।जाह्नवी कपूर जल्द फिल्म बवाल में नजर आने वाली है। इस फिल्म में उनके अलावा वरुण धवन की अहम भूमिका है। दोनों पहली बार एक-दूसरे के साथ काम करते नजर आएंगे। दोनों इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है। दोनों इस फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे है। इस फिल्म को लेकर फैंस भी काफी उत्सुक है जाह्नवी कपूर अक्सर जिम और डांस क्लासेज के बाहर नजर आती है। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होती है। वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है। इसे लेकर उनके फैंस भी उत्साहित रहते हैं। जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया ने अभी तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया है।

आलिया भट्ट ने पैपराजी के लिए किया ऐसा काम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बी-टाउन में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी-जाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट (र्ति ूर्) का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें एक्ट्रेस ने पैपराजी के लिए कुछ ऐसा काम किया है, जिसकी चारों ओर चर्चा हो रही है। दरअसल, हुआ यूं कि आलिया के मना करने के बावजूद एक्ट्रेस ने खुद अपने हाथ से चप्पल को उठाकर फोटोग्राफर को दिया और उसे पहनने के लिए कहा। इसके बाद वह मां को फ्लाइंग किस देकर कार में बैठकर चली गईं। आलिया का ये वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। कई उनकी तारीफ कर रहे हैं तो कुछ का मानना है कि वह ये अपनी

भट्ट अपनी मां सोनी राजदान (एदहर्ग्ी ह) और बहन शाहीन भट्ट (र्एपाह र्ी ू) के साथ 13 जुलाई की रात को डिनर डेट पर गई थीं। डिनर एन्जॉय करने के बाद रेस्तरां से बाहर निकलते हुए आलिया ने मां सोनी और बहन शाही के साथ पैपराजी को ढेर सारे पोज दिए। जब आलिया अपनी कार की ओर जा रही थीं, तब उन्होंने देखा कि एक पैपराजी के पैर से चप्पल निकल गई। आलिया ने पहले पूछा कि ये किसका है। फिर पैपराजी अपकमिंग फिल्म की पब्लिसिटी के लिए कर रही हैं। एक यूजर ने कहा, 'आलिया के लिए रिस्पेक्ट बटन।' एक यूजर ने लिखा, 'मूवी के लिए क्या-क्या करना पड़ता है।' एक और यूजर ने कहा, 'अगर यही कोई और एक्ट्रेस करती तो तारीफ करते, लेकिन आलिया को बिना वजह हेट किया जाता।' एक और ने कहा, 'इतना भी ड्रामा मत करो कि फेक लगने लगे। मिडिल क्लास लोग भी किसी की चप्पल इस तरह नहीं उठाते हैं।

आखिर ऐसा क्या है उस पत्थर में, जिसके लिए गयीं लाखों जानें हिलाकर रख देगा सीरीज का ट्रेलर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्माता और निर्देशक नीला माधब पांडा, भारत की पहली क्लाइ-फाई (ण्त्र्ग्सू इग्मूदह) थ्रिलर सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका शीर्षक है- 'द जेंगाबुरु कर्स' यानी जेंगाबुरु का शाप क्लाइ-फाइ उस जॉनर को कहते हैं, जिसमें क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग के मुद्दों को पर्दे पर उतारा जाता है। सोनी-लिव पर सीरीज का प्रसारण होगा और गुरुवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया। इस शो की कहानी ओडिशा के एक छोटे से शहर में दिखायी गयी है। कहानी के केंद्र में लंदन स्थित फाइनैंशियल एनालिस्ट प्रिया दास है, जिसके पिता प्रोफेसर दास संदिग्ध रूप से लापता हो जाते है इसके बाद प्रिया को ओडिशा वापस आना पड़ता है। जैसे ही वह उनकी तलाश शुरू करती है, अजीब घटनाएं शुरू हो जाती है, जो बॉन्डिया जनजाति और माइनिंग राज्य ओडिशा के बीच के संबंधों से पर्दा उठाती हैं। सीरीज का ट्रेलर नीचे देखा जा सकता है- इस शो को नीला माधब पांडा ने डायरेक्ट किया है और मयंक तिवारी ने कहानी लिखी है। इस शो के जरिए मेकर्स ना सिर्फ दर्शकों को एंटरटेन कर रहे हैं, बल्कि उन्हें जागरूक भी कर रहे हैं। शो को लेकर नीला माधब पांडा कहना है- यह सीरीज 9 अगस्त को सोनी-लिव पर रिलीज होगी। इस शो में मकरंद देशपांडे, नासर, फारिया अब्दुल्ला, दीपक संपत, सुदेव नायर और हितेश दवे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। नीला माधब पांडा की फिल्म आइ एम कलाम काफी चर्चित रही थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।